Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 321
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 26 नवम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

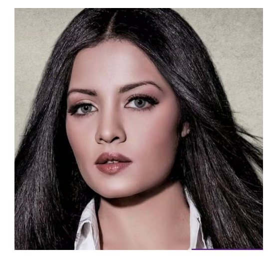

3 समाज को जागरूक करने और देश बनाने में ... 4 अवसाद की छाया में घिरता जा रहा बचपन ... 7 टी20 विश्व कप 2026 का शेड्यूल जारी, ...

संक्षिप्त न्यूज

विजय चौधरी तीसरी बार बने सूचना मंत्री, जनसंपर्क विभाग की महत्ता पर दिया जोर

पटना। बिहार सरकार के नए सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री विजय कुमार चौधरी ने मंगलवार को विभाग का कार्यभार ग्रहण किया। विभाग के सचिव अनुपम कुमार और निदेशक वैभव श्रीवास्तव ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यभार संभालने के बाद मंत्री चौधरी ने कहा कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग अन्य विभागों की तरह ही अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह विभाग सरकार के सभी 45 विभागों की सटीक जानकारी, आंकड़े और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का दायित्व निभाता है।

उन्होंने कहा, 'सरकार की हर योजना और काम को जन-जन तक पहुंचाना और लोगों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाना ही मेरा लक्ष्य रहेगा। विभाग का कार्यक्षेत्र अनुमंडल स्तर तक विस्तृत है, हम इसे और अधिक प्रभावी बनाएंगे, ताकि सरकार की उपलब्धियां और योजनाएं पारदर्शी ढंग से जनता तक पहुंच सकें। सूचना विभाग न केवल सूचनाओं का प्रसार करता है, बल्कि जनता से सीधा संवाद भी स्थापित करता है। यह सरकार के काम को लेकर उत्पन्न किसी भ्रांति को भी दूर करता है।' मंत्री विजय चौधरी नीतीश कुमार सरकार में तीसरी बार सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री बने हैं। इससे पहले उन्होंने दो बार वर्ष 2015 और 2024 में सूचना विभाग का सफलतापूर्वक संचालन किया है।

कार्यभार ग्रहण करते ही मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सूचना विभाग सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ फर्जी खबरों की तुरंत पहचान कर उनका खंडन करे, ताकि सही जानकारी सही समय पर जनता तक पहुंच सके। साथ ही सभी विभागों के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल जैसे फेसबुक, एक्स (ट्विटर), यूट्यूब और इंस्टाग्राम आदि पर आमजन की ओर से पूछे जाने वाले सवालों व समस्याओं का त्वरित आधिकारिक जवाब दिया जाए।

कुरुक्षेत्र में पीएम मोदी का कड़ा संदेश, नया भारत आतंकवाद से न डरता है, न झुकता है

कुरुक्षेत्र। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि पूरी दुनिया ने देखा कि नया भारत आतंकवाद से न तो डरता है और न ही उसके आगे झुकता है। मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत शांति चाहता है, लेकिन वह अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हम दुनिया से विश्व बंधुत्व की बात करते हैं और अपनी सीमाओं की भी रक्षा करते हैं। हम शांति चाहते हैं, लेकिन अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करते।

मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। नया भारत न डरता है, न रुकता है, और न ही आतंकवाद के सामने झुकता है। आज का भारत पूरी ताकत, साहस और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं हमारे समाज के

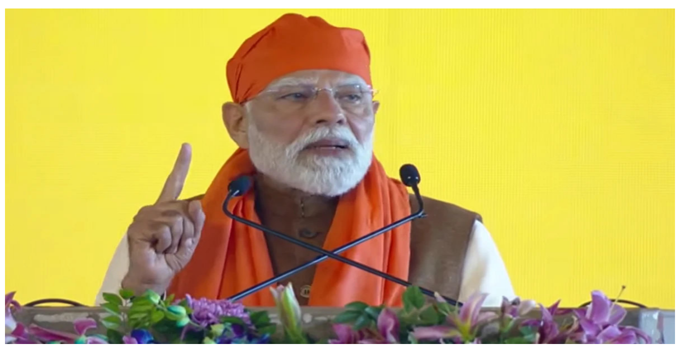

युवाओं से जुड़े एक मुद्दे पर भी चर्चा करना चाहता हूँ, एक ऐसा मुद्दा जिस पर गुरु साहिब ने भी चिंता व्यक्त की थी। यह मुद्दा है नशा, ड्रग्स का मुद्दा। नशे की लत ने हमारे कई युवाओं के सपनों को गंभीर चुनौती दी है। सरकार इस समस्या को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, लेकिन यह समाज और परिवारों पर एक बोझ भी है। ऐसे समय में, गुरु तेग बहादुर की शिक्षाएँ हमारे लिए प्रेरणा भी हैं और समाधान भी।

मोदी ने दिन में अपनी अयोध्या यात्रा को भी याद किया और उस दिन को भारत की विरासत का अद्भुत संगम बताया। एएनआई के अनुसार, उन्होंने कहा, 'आज सुबह मैं रामायण की नगरी अयोध्या में था और अब मैं गीता की नगरी कुरुक्षेत्र में हूँ। हम सभी यहाँ श्री गुरु तेग बहादुर जी को उनके 350वें शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। मैं इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी संतों और सम्मानित संगत को आदरपूर्वक नमन करता हूँ।'

भारत ने मई में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के बाद नई दिल्ली की सीधी सैन्य प्रतिक्रिया थी। भारत ने 7 मई की तड़के यह अभियान शुरू किया और 10 मई को युद्धविराम से पहले पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी और सैन्य ठिकानों पर हमला किया। इस संघर्ष में लड़ाकू विमानों, मिसाइलों, सशस्त्र ड्रोनों और भीषण तोपखाने की गोलीबारी शामिल थी।

बंगाल में जमा नहीं हुए 10 लाख गणना फार्म, मतदाता सूची से हट सकते हैं नाम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के एसआईआर के तहत अब तक 10 लाख से अधिक गणना फार्म जमा नहीं हुए हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि ऐसे ज्यादातर मतदाता अनुपस्थित, डुप्लिकेट, मृत या स्थायी रूप से स्थानांतरित पाए गए हैं। इस हिसाब से बंगाल में अब तक 10 लाख नाम हटने के संकेत मिले हैं।

उन्होंने बताया कि अब तक 4.55 करोड़ फॉर्म का संग्रह और डिजिटाइजेशन पूरा किया जा चुका है। अग्रवाल के अनुसार, राज्य में कुल 7.64 करोड़ फॉर्म बांटे गए, और मौजूदा स्थिति में अनुपलब्ध या जमा न होने वाले गणना फॉर्म कुल वितरण का 1.35 प्रतिशत हैं। सीईओ ने बीएलओ की मेहनत की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा, बीएलओ ही एसआईआर प्रक्रिया के असली हीरो हैं। 4 नवंबर से शुरू इस अभियान में 20 दिनों के भीतर वे 7 करोड़ से अधिक मतदाताओं तक पहुंचे, यह आसान काम नहीं है।

बीएलओ की ओर से इंटरनेट की समस्या की शिकायत पर अधिकारियों ने बताया कि डीएम, ईआरओ और बीडीओ कार्यालयों में हेल्प डेस्क बनाई गई हैं। जहां जरूरत है, वहां अलग वाई-फाई हब स्थापित किए गए हैं।

अरुणाचल ण्श की तीखी प्रतिक्रिया, शंघाई में भारतीय महिला से दुर्व्यवहार 'अस्वीकार्य', चीन को कड़ा जवाब

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मंगलवार को चीनी आव्रजन अधिकारियों द्वारा राज्य की एक महिला के साथ किए गए 'अस्वीकार्य' और 'भयावह' व्यवहार की निंदा की। महिला को शंघाई पुडोंग हवाई अड्डे पर लगभग 18 घंटे तक हिरासत में रखा गया, क्योंकि अधिकारियों ने कथित तौर पर उसका भारतीय पासपोर्ट पहचानने से इनकार कर दिया था। खांडू ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक के साथ हुई इस घटना से वह गहरा सदमा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि चीनी अधिकारियों का व्यवहार अपमानजनक और नस्लीय उपहास जैसा था। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वैध भारतीय पासपोर्ट होने के बावजूद उनके साथ ऐसा व्यवहार करना भयावह है। उन्होंने यह भी कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। इसके अलावा कोई भी आरोप निराधार और आपत्तिजनक है। इस घटना को

अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन और भारतीय नागरिकों की गरिमा का अपमान बताते हुए खांडू ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विदेश मंत्रालय इस मामले को तत्काल उठाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

आनंदपुर साहिब बनेगा 'हेरिटेज स्ट्रीट', सीएम मान का बड़ा ऐलान, पवित्रता बनाए रखने की अपील

चड़ीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की कि आनंदपुर साहिब में एक हेरिटेज स्ट्रीट सिटी बनाई जाएगी और लोगों से इस पवित्र शहर की पवित्रता को बनाए रखने का आह्वान किया। उनका यह संदेश पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के एक दिन बाद आया है, जो गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत की वर्षगांठ के तीन दिवसीय स्मरणोत्सव का हिस्सा था। यह सत्र पंजाब के आनंदपुर साहिब में आयोजित किया गया था।

मुख्यमंत्री मान ने यहाँ एक सभा को संबोधित करते हुए कहा आनंदपुर साहिब में एक हेरिटेज स्ट्रीट बनाई जाएगी। आप जल्द ही शहर में एक बड़ा बदलाव देखेंगे। आनंदपुर साहिब को पवित्र शहर का दर्जा दिया गया है और अब इसकी पवित्रता को बनाए रखना और बनाए रखना हमारी ज़िम्मेदारी है। इस बीच, आप के राष्ट्रीय

संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि आज हमारे देश में एक धर्म दूसरे धर्म से बिना किसी मतलब के लड़ रहा है और उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि विभिन्न समुदायों के लोगों को शांति से रहना चाहिए। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना विश्व में चल रहे वर्तमान युद्धों का भी उल्लेख किया और धार्मिक बहुलवाद के लिए गुरु तेग बहादुर के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

केजरीवाल ने यहां एक सभा में कहा कि आज दुनिया भर में इतने युद्ध चल रहे हैं... हमारे देश में धर्म के नाम पर कितने युद्ध चल रहे हैं?... गुरु तेग बहादुर जी ने क्या किया? उन्होंने दूसरे हिंदू धर्म की रक्षा के लिए अपना शीश बलिदान कर दिया। अगर हम सब इसे अपना लें: दूसरे धर्म की रक्षा के लिए सब कुछ बलिदान कर देना। पूरी दुनिया में सभी युद्ध समाप्त हो जाएँगे। हर जगह शांति होगी... आज हमारे देश में एक धर्म दूसरे धर्म से लड़ रहा है... इन युद्धों का क्या मतलब है? कोई मतलब नहीं है। हमें शांति से रहना चाहिए। गुरु तेग बहादुर, जिन्हें 'हिंद की चादर' के रूप में याद किया जाता है, ने 1675 में आस्था की स्वतंत्रता के अधिकार को कायम रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनकी शहादत भारत के सामाजिक-धार्मिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है, जो बहुलवाद और नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा का प्रतीक है। राज्य सरकार ने कहा कि इस समारोह का उद्देश्य करुणा, समानता और लचीलेपन पर उनकी शिक्षाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर घमासान

सिद्धारमैया ने आलाकमान से भ्रम दूर करने की अपील, शिवकुमार खेमे का दिल्ली में डेरा

बेंगलुरु। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस आलाकमान को उचित निर्णय लेकर भ्रम की स्थिति को दूर करना चाहिए। डीके शिवकुमार खेमे के विधायकों द्वारा नेतृत्व परिवर्तन के लिए पार्टी आलाकमान पर दबाव बढ़ाने के लिए दिल्ली पहुँचने पर, सिद्धारमैया ने कहा कि वह पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा लिए गए निर्णय का पालन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विधायक अपनी राय साझा करने के लिए नेतृत्व से मिलने के लिए स्वतंत्र हैं।

सिद्धारमैया ने विधायकों को लेकर कहा कि उन्हें जाने दीजिए, विधायकों को आज़ादी है। देखते हैं वे क्या राय देते हैं। आखिरकार, आलाकमान को ही फैसला लेना है। हम आलाकमान की बात मानेंगे। शिवकुमार खेमे के 15 से ज़्यादा विधायक दिल्ली में हैं और कथित तौर पर पार्टी में पहले से तय

बारी-बारी से होने वाली व्यवस्था के तहत शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने पर ज़ोर दे रहे हैं। कर्नाटक कांग्रेस में मचे घमासान के बीच सिद्धारमैया ने शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ व्यापक चर्चा की। मुख्यमंत्री जहाँ कैबिनेट फेरबदल को प्राथमिकता दे रहे हैं, वहीं शिवकुमार चाहते हैं कि आलाकमान पहले नेतृत्व परिवर्तन पर फैसला ले।

इससे पहले सोमवार को कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि सिद्धारमैया के शब्द उनके लिए 'वेद वाक्य' या पवित्र कथन जैसे हैं। उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को कांग्रेस पार्टी की एक बहुमूल्य संपत्ति बताया और कहा कि सरकार में सभी लोग उनके मार्गदर्शन में मिलकर काम कर रहे हैं। नेतृत्व परिवर्तन के बारे में पूछे जाने पर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि किसी भी बदलाव पर अंतिम फैसला पार्टी का शीर्ष नेतृत्व लेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ नहीं कहना है। आप तीन दिन से लगातार यहाँ खड़े हैं। यहाँ जो कुछ भी हो रहा है, उसके बारे में कुछ नहीं कहना है। जो भी होगा, आलाकमान करेगा। इस बारे में ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।'

श्रीनगर से गुलमर्ग तक छाया सर्दियों का जादू

कश्मीर की ठंडी और धुंध भरी वादियां बर्फीली सुबहें सैलानियों को बुला रहीं

जम्मू **(एजेंसी)**। कश्मीर घाटी इन दिनों शीतलहर की ताज़गी और बर्फीली खुशनुमा ठंड से भर उठी है। न्यूनतम तापमान भले ही शून्य से नीचे दर्ज किया जा रहा हो, लेकिन इसी ठंड ने पूरी घाटी को एक स्वर्गिक रूप दे दिया है, जिसे देखने देश-दुनिया से सैलानी लगातार पहुंच रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार श्रीनगर में सोमवार रात तापमान माइनस 3.1 डिग्री सेल्सियस तक गया, यह इस मौसम की दूसरी सबसे सर्द और सबसे सुंदर रातों में से एक रही। इससे पहले रविवार को -3.2 डिग्री तापमान ने शहर को एक नर्म, चमकदार ओस और बर्फ़ की परतों से सजा दिया था।

हम आपको बता दें कि शोपियां, जो दक्षिण कश्मीर का मोती माना जाता है, इस समय घाटी का सबसे ठंडा और सबसे आकर्षक स्थान बना हुआ है। यहां तापमान -5.4°C दर्ज हुआ, जिससे चारों ओर फैली सफेद चादर पर्यटकों के लिए किसी सपने जैसी दिख

रही है। पुलवामा में तापमान-5.4°C पहुंचने के बाद यहाँ की सुबहें धुंध और पहाड़ियों की जुगलबंदी से मन मोह लेती हैं। पहलगाम, जो अमरनाथ यात्रा का आधार शिविर भी है, -4.4°C की ठंड में इन दिनों बेहद रोमांटिक और शांत माहौल समेटे हुए है। गुलमर्ग जो देश का सबसे पसंदीदा विंटर रिसॉर्ट है वहां इस वक्त -1.2°C तापमान के साथ स्कीइंग और स्नो एडवेंचर के लिए शानदार मौसम दे रहा है। वहीं जोजिला दर्रे में तापमान -16°C तक पहुंच गया है और यह इलाका बर्फ़ से ढकी चोटियों के अद्भुत नज़ारे पेश कर रहा है।

हम आपको बता दें कि यह अवधि यात्रियों के लिए बेहद अनुकूल है क्योंकि सड़कें साफ़ हैं, मौसम स्थिर है और वादियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता के शिखर पर हैं। यदि आप भी अद्भुत बर्फ़ीले नज़ारे देखना चाहते हैं, स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और विंटर एडवेंचर का मजा लेना चाहते हैं, शांत, धुंध से ढकी सुबहें देखना चाहते हैं और डल झील पर जमे हुए किनारों का अनोखा अनुभव लेना चाहते हैं।

26 से 30 नवंबर तक गुना संसदीय क्षेत्र के 4 दिवसीय प्रवास पर रहेंगे केंद्रीय मंत्री सिंधिया

भोपाल। केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य म. सिंधिया 26 से 30 नवंबर 2025 तक गुना संसदीय क्षेत्र के चार दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस

दौरान वे लगभग ?200 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और जनता को महत्वपूर्ण सौगातें प्राप्त होंगी।

अपने प्रवास के दूसरे दिन, 27 नवंबर को सिंधिया गुना में जनसंपर्क कार्यक्रमों में शामिल होंगे और इसके बाद मुदरा हनुमान (वि.स. बमोरी), सिंघवासा, गुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (भूमिपूजन), पटवई हाई स्कूल तथा करोद सबस्टेशन सहित कई स्थलों पर विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इसी दिन वे शिवपुरी में आयोजित स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे और धीरेंद्र शास्त्री की कथा में भी में शामिल होंगे ।

28 नवंबर को केंद्रीय मंत्री खोनकर में विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। उसी दिन वे गुना में सांसद खेल महोत्सव का उद्घाटन करेंगे तथा दिव्यांगजनो को ट्राइसाइकिल वितरित करेंगे। इसके बाद सिंधिया चंदेरी पहुँचकर चंदेरी महोत्सव का उद्घाटन करेंगे।

इसके बाद 29 नवंबर को केंद्रीय मंत्री सिंधिया गुना में व्यवसायी वर्ग के साथ बैठक करेंगे, पत्रकार भवन का उद्घाटन करेंगे तथा कई स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इन कार्यक्रमों के उपरांत वे इंदौर के लिए रवाना होंगे।

हिंदू विरोधी होने के आरोपों पर बीआर गवई का तीखा पलटवार, बोले - मंदिरों से लेकर मस्जिदों तक गया हूं

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि उन पर हुए जूता हमले का उन पर कोई असर नहीं पड़ा और उन्हें हिंदू विरोधी कहने के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनका विवेक साफ़ है, क्योंकि उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान क़ानून और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया था। जूता फेंकने की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, गवई ने कहा कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि क़ानून की गरिमा किसी को सज़ा देने में नहीं, बल्कि किसी को माफ़ करने में है।' उन्होंने अपने इस कृत्य का श्रेय अपनी परवरिश और अपने परिवार से सीखे गए क्षमा के मूल्यों को दिया।

गवई ने हिंदू भावनाओं का अपमान करने के किसी भी सुझाव को दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा कि इसका (हिंदू भावनाओं का अपमान करने का) कोई सवाल ही नहीं है। मैं मंदिरों, दरगाहों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और चर्चों में गया हूं। इस घटना और उसके बाद सोशल

मीडिया पर हुई ट्रोलिंग पर बात करते हुए गवई ने कहा कि इससे मुझ पर कोई खास असर नहीं पड़ा। क्योंकि मेरा ज़मीर साफ़ था। मैंने हमेशा कहा है कि मैं सभी धर्मों का बहुत सम्मान करता हूँ। मेरे पिता बहुत ही धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति थे। मैंने उनके गुणों को आत्मसात करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने जूता फेंकने वाले व्यक्ति को माफ़ किया, तो उन्हें इस बात का अंदाज़ा नहीं था कि यह गुस्सा भगवान विष्णु की मूर्ति मामले पर उनकी टिप्पणी से जुड़ा था। उन्होंने बताया कि उनकी प्रतिक्रिया सहज और उनके सिद्धांतों के अनुरूप थी।

घटना के बाद, गवई ने सार्वजनिक टिप्पणी करते समय संयम बरतने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया, क्योंकि सच्ची या हल्के-फुल्के अंदाज़ में कही गई टिप्पणियों का ग़लत मतलब निकाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद उन्होंने 'सावधानी' बरती। जूता फेंकने की घटना के बाद ऑनलाइन हुई आलोचनाओं पर, गवई ने सोशल मीडिया पर की गई रिपोर्टिंग को 'गलत और त्रुटिपूर्ण' बताया। उन्होंने आगे कहा कि मैंने भी मॉर्फिंग देखी थी।

योगी का तीखा हमलाः मुगलों ने हिंदू पहचान मिटाने की कोशिश की, गुरुओं ने दी कुर्बानी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुगल शासकों पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पूरे देश का इस्लामीकरण करने की कोशिश की और हिंदू प्रतीकों व प्रथाओं को निशाना बनाया। एक जनसभा में बोलते हुए, उन्होंने मुगल बादशाह औरंगजेब पर धार्मिक उत्पीड़न बढ़ाने और हिंदू परंपराओं को खत्म करने के लिए बल प्रयोग करने का आरोप लगाया। आदित्यनाथ ने कहा मुगलों ने पूरे भारत का इस्लामीकरण करने का अभियान चलाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि औरंगजेब ने 'तिलक मिटाने और जनेऊ मिटाने की कोशिश की' और बादशाह पर कश्मीर में बढ़ते अत्याचारों सहित व्यापक अत्याचारों का आरोप लगाया। सिख इतिहास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने इस अवधि के दौरान अपनी आवाज उठाई' और उत्पीड़न के खिलाफ एक बाधा के रूप में खड़े रहे। उन्होंने गुरु के साथियों पर ढाए गए अत्याचारों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भाई मति दास को पहले यातनाएँ दी गईं और उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए। भाई सती दास को रुई के एक बंडल में डालकर आग लगा दी गई, और भाई दयाला को उबलते पानी से भरे एक कुंड में फेंक दिया गया। उनकी बलि दे दी गई, और फिर भी, गुरु तेग बहादुर जी महाराज अपनी आस्था या संकल्प से विचलित नहीं हुए। इस दिन को हम सभी के लिए प्रेरणा का दिन बताते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि औरंगज़ेब एक क्रूर राजा बन गया था जो हिंदू पहचान चिह्नों को मिटाना चाहता था। उन्होंने कहा, उसने तिलक और जनेऊ को मिटाने के उद्देश्य से पूरे देश में अत्याचार किए। गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने उस अत्याचार के खिलाफ आवाज़ उठाई।

डायरेक्टर डॉ. कैलाश शिंदे के एयर पॉल्यूशन कम करने के असरदार तरीके लागू करने पर फोकस करने के निर्देश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई के एनवायरनमेंट पर खास ध्यान देने के लिए, एयर पॉल्यूशन को रोकने के लिए कंस्ट्रक्शन साइट्स, पत्थर की खदानों, सीमेंट प्रोडक्शन के लिएँश्ण प्लांट्स को प्रायोरिटी दी जानी चाहिए और गाड़ियों और तंदूर भट्टों से होने वाले पॉल्यूशन को कम करने की कोशिश की जानी चाहिए, यह बात म्युनिसिपल कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे ने डिपार्टमेंट हेड्स की एक रिव्यू मीटिंग के दौरान कही। इस मौके पर एडिशनल कमिश्नर सुनील पवार और डॉ. राहुल गेठे, सिटी इंजीनियर शिरीष आर्डवाड, चीफ अकाउंट्स और फाइनेंस ऑफिसर सत्यवान उबाले और डिपार्टमेंट हेड्स, डिपार्टमेंट ऑफिसर्स, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर्स और दूसरे ऑफिसर्स मौजूद थे। ठंड के मौसम और एयर पॉल्यूशन की वजह से हवा में स्मॉग बढ़ गया है और इसे कम करने के लिए कमिश्नर डॉ. कैलाश शिंदे ने सतर्क रहने और बचाव के ठोस तरीके लागू करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि शहर में कंस्ट्रक्शन साइट्स पर फिजिकल इंस्पेक्शन किया जाए ताकि यह पक्का हो सके कि धूल से बचाव के तरीके सख्ती से लागू किए जा रहे हैं और अगर कोई गलती मिलती है, तो साइट पर कंस्ट्रक्शन एक हफ्ते के लिए रोक दिया जाए। इसके लिए उन्होंने अर्बन प्लानिंग डिपार्टमेंट और डिपार्टमेंट ऑफिस के इंजीनियरों को अपने-अपने इलाकों में कंस्ट्रक्शन

साइट्स पर जाकर फिजिकल इंस्पेक्शन करने और जल्द रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। अभी हवा की स्पीड कम होने की वजह से हवा में स्मॉग बढ़ गया है और इसे कंट्रोल करने के लिए निर्देश दिया गया कि श्छ्ण इलाके में मेन ट्रैफिक रोड और सड़कों के किनारों पर जमी मिट्टी को साफ करने और हटाने का कैंपेन चलाया जाए, यह ध्यान में रखते हुए कि गाड़ियों की स्पीड से हवा में धूल बढ़ती है। कमिश्नर ने यह भी निर्देश दिया कि सड़कों के किनारों पर जमी मिट्टी को साफ करने का प्रोसेस हर 15 दिन में किया जाए।

कमिश्नर ने निर्देश दिया कि कोयला साइट्स और RMC सीमेंट बनाने वाले प्लांट्स का फिजिकल इंस्पेक्शन किया जाए ताकि यह वेरिफाई किया जा सके कि पॉल्यूशन रोकने के नियमों का पालन हो रहा है या नहीं और एक रिपोर्ट दी जाए। इसी तरह, अगर बेकरी में कोयले का इस्तेमाल हो रहा है, तो उसे रोका जाए, और होटलों में तंदूर के लिए कोयले के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई जाए, और जिस भी जगह कचरा जलाया जा रहा हो, उसके खिलाफ रोकथाम की कार्रवाई की जाए, कमिश्नर ने कहा। गांव के स्टेशनों पर रोज़ाना की सफ़ाई में कचरा इकट्ठा करने को प्राथमिकता देने की ज़रूरत बताते हुए, कमिश्नर ने सफ़ाई अधिकारियों और सफ़ाई इंस्पेक्टरों को निर्देश दिया कि वे गांव के स्टेशनों के काम करने की जगह की ज़िम्मेदारी देकर गांवों के अंदरूनी इलाकों में कचरा इकट्ठा करने का प्लान बनाएं। गलियों की सफ़ाई पर भी खास ध्यान देने को कहा गया। क्योंकि यह पत्ते गिरने का मौसम है, इसलिए पत्तों का कचरा भी इकट्ठा किया जाना चाहिए और इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि इसे किसी भी हालत में जलाया न जाए। इसी तरह, कमिश्नर ने निर्देश दिया कि इस हरे कचरे के निपटारे के लिए उदयना के चारों कोनों में कम्पोस्ट पिट बनाए जाएं।

पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, कमिश्नर ने सुझाव दिया कि नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा बनाए गए गैस श्मशान और इलेक्ट्रिक श्मशान का इस्तेमाल करके श्मशान में भी इको-फ्रेंडली कॉन्सेप्ट लागू किए जाने चाहिए और नागरिकों को ऐसा करने के लिए बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बेघर लोग और फेरीवाले एक अच्छी तरह से प्लान किए गए शहर के लिए एक बड़ी समस्या हैं और लगातार कार्रवाई ही इसका एकमात्र असरदार समाधान है। कमिश्नर ने कोर्ट के आदेश के अनुसार बिना इजाज़त के बन रही बिल्डिंगों पर तोड़-फोड़ की कार्रवाई को असरदार तरीके से लागू करने और बिना इजाज़त के बैनर-पोस्टर लगाने वालों पर कानूनी कार्रवाई करने के साफ निर्देश दिए।

'पालघर में सुरेश जयसवाल का रेत माफिया के द्वारा की गई किडनैपिंग पुलिस और प्रशासन पर उठे हजारों सवाल

सुरेश जयसवाल है सप्ताहिक समाचार पत्र के पत्रकार

पालघर। पालघर जिला के विरार में 20 अक्टूबर 2025 को स्थानीय पत्रकार सुरेश जायसवाल ने आरोप लगाया है कि सिरसाड फाटा पर दो गुटों के बीच हुई मारपीट की रिपोर्टिंग करने के लिए पहुंचे पत्रकार सुरेश जयसवाल कुछ कथित रेत माफियाओं ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और जबरन अपनी कार में बैठाकर उनको सुनसान जगह पर लेकर गए और उनसे हाता पाई की जबकि वह कह रहे थे कि मैं पत्रकार हूं मैं पत्रकार हूं फिर भी यह माफिया नहीं माने उसके बाद सुरेश जयसवाल ने मांडवी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया और मामले को 'छोटा-मोटा विवाद' बताया। उच्च अधिकारियों को कई पत्र भेजे फिर भी कार्रवाई नहीं हुई शिकायत नहीं लिए जाने के बाद उन्होंने भाईंदर कमिश्नर,वसई ए सी पी,पालघर के पालक मंत्री गणेश नाईक, मानवाधिकार आयोग,राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री व राज्यपाल, को लिखित शिकायत भेजी। फिर भी, एक महीने बीत जाने के बाद भी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई वाहन की जानकारी जायसवाल ने अपने बयान में दिए जिन लोगों पर आरोप

लगाया है, उनके नाम जीतू ठक्कर, अर्जुन यादव उर्फ़ ,'डाकू', करण पाटिल, राज पाटिल जायसवाल का दावा है कि इन्हीं लोगों ने उन्हें जबरन अपनी कार में बैठाया कार नंबर MH-48 BH 8686 (Hyundai Verna) बताया गया है। 'भविष्य में कोई अनहोनी होती है तो जिम्मेदार पुलिस प्रशासन होगी।

महिला कबड्डी विश्व कप में भारत की जीत

पश्चिम रेलवे की सोनाली शिंगटे द्वारा शानदार प्रदर्शन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारत ने 17 से 24 नवंबर 2025 तक ढाका, बांग्लादेश में आयोजित द्वितीय महिला कबड्डी विश्व कप में रोमांचक फाइनल में चीनी ताइपे को हराकर खिताब अपने नाम किया। यह असाधारण उपलब्धि न केवल पूरे देश के लिए, बल्कि पश्चिम रेलवे के लिए भी अत्यंत गर्व का क्षण है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह पश्चिम रेलवे के लिए बहुत ही गर्व की बात है कि मुंबई सेंट्रल मंडल में डिप्टी चीफ टिकट इंस्पेक्टर (अब ण्ऊ) के तौर पर काम करने वाली सुश्री सोनाली शिंगटे ने इंडियन टीम की राइट रेडर के तौर पर शानदार परफॉर्मेंस दी। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने अपनी रेड्स में ज़बरदस्त फुर्ती, कॉन्फिडेंस और सटीकता दिखाई, जिससे भारत की जीत में अहम योगदान मिला।

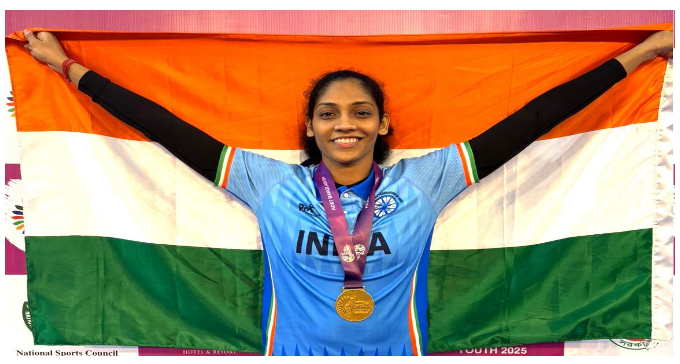

पश्चिम रेलवे को सुश्री सोनाली शिंगटे के डेडिकेशन और अचीवमेंट पर बहुत गर्व है। उनका योगदान न केवल इंडियन महिला कबड्डी टीम के लिए प्रतिष्ठा की बात है, बल्कि पूरे पश्चिम रेलवे परिवार के लिए भी बहुत सम्मान की बात है।

पश्चिम रेलवे भारतीय महिला कबड्डी टीम को दिल से बधाई देती है और सुश्री सोनाली शिंगटे को उनके इंस्पायरिंग परफॉर्मेंस के लिए सलाम करती है, जो रेलवे एथलीट्स के साथ-साथ देश भर के युवा खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहित करता है।

मिनिस्ट्री और लेजिस्लेटिव कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के जर्नलिस्ट अवॉर्ड के लिए एंट्री भेजने की डेडलाइन बढ़ाई गई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।हर साल मिनिस्ट्री और जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन की तरफ से पत्रकारिता के क्षेत्र में अहम योगदान देने वाले पत्रकारों को राज्य लेवल के अवॉर्ड देकर सम्मानित किया जाता है। 2025 के बेस्ट जर्नलिस्ट अवॉर्ड के लिए अपनी एंट्री भेजने की डेडलाइन 01 दिसंबर 2025 शाम 6 बजे तक बढ़ा दी गई है। इच्छुक लोगों से रिक्वेस्ट है कि वे अपनी एंट्री नीचे दिए गए पते पर भेजें, मिनिस्ट्री और लेजिस्लेटिव जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ने अपील की है।

कुल चार अवॉर्ड हैं, यानी 1) लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड - (राज्य लेवल) - एक, 2) आउटस्टैंडिंग जर्नलिज्म अवॉर्ड (राज्य लेवल) - अखबार कॉरेस्पोंडेंट - एक, न्यूज़ चैनल मीडिया कॉरेस्पोंडेंट अवॉर्ड - एक, और 3) आउटस्टैंडिंग जर्नलिज्म अवॉर्ड (सिर्फ मिनिस्ट्री और लेजिस्लेटिव कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के सदस्यों के लिए) एक।

1) मिस्टर पान। समक लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

सीनियर जर्नलिस्ट को कम से कम 25 साल तक जर्नलिज़्म में योगदान दिया होना चाहिए। उनकी उम्र 60 साल पूरी हो जानी चाहिए। जर्नलिस्ट को अवॉर्ड के लिए स्टेट लेवल पर जर्नलिज़्म के फील्ड में उनके किए गए शानदार काम के आधार पर चुना जाएगा। साथ ही, जर्नलिस्ट, अलग-अलग जर्नलिस्ट ऑर्गनाइज़ेशन और स्टेट के दूसरे जाने-माने लोगों की सिफारिशों पर भी विचार किया जाएगा। इससे पहले, यह अवॉर्ड सीनियर जर्नलिस्ट श्री वसंत देशपांडे, श्री विनायक बेतावडकर, स्वर्गीय विजय वैद्य और स्वर्गीय दीनू रणदिवे और श्री दिनकर रायकर, श्री कुमार केतकर, श्री अजय वैद्य, श्री पंढरीनाथ सावंत और श्रीमती प्रतिमा जोशी को दिया जा चुका है।

2) स्टेट लेवल एक्सीलेंट जर्नलिज़्म अवॉर्ड (दो)

यह अवॉर्ड अखबार के रिपोर्टर और न्यूज़ चैनल के मीडिया रिप्रेजेंटेटिव को एक-एक दिया जाता है। जर्नलिज़्म में फुल-टाइम सर्विस ज़रूरी है। इसमें जर्नलिस्ट के लिए भाषा की कोई पाबंदी नहीं होगी। न्यूज़पेपर मीडिया रिप्रेजेंटेटिव को पिछले दो साल की न्यूज़ क्लिपिंग/आर्टिकल देने होंगे, जबकि न्यूज़ चैनल मीडिया रिप्रेजेंटेटिव को वीडियो/ऑडियो क्लिप (पेन ड्राइव) देनी होगी। एप्लीकेंट का नाम और एंट्री फ़ॉर्म पर ऑर्गनाइज़ेशन के एडिटर या ऑथराइज़्ड ऑफिसर के साइन होने चाहिए।

3) आउटस्टैंडिंग जर्नलिज़्म अवॉर्ड (एक)

इस अवॉर्ड में सिर्फ़ मिनिस्ट्री और लेजिस्लेटिव कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के मेंबर ही हिस्सा ले सकते हैं। एप्लीकेंट को एंट्री फ़ॉर्म क्लिपिंग/ऑडियो/वीडियो के साथ 01 जनवरी 2025 से लेकर अप्लाई करने की तारीख तक जमा करना होगा। जिन जर्नलिस्ट ने जर्नलिज़्म के फील्ड में बहुत अच्छा काम किया है, वे 1 दिसंबर, 2025 तक अपने नॉमिनेशन, जानी-मानी हस्तियों की डिटेल्ड जानकारी या रिकमेंडेशन के साथ नीचे दिए गए पते पर भेज दें। चारों अवॉर्ड चुनने में अवॉर्ड सिलेक्शन कमिटी का फ़ैसला फ़ाइनल होगा।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्वविजेता बनने पर बधाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ढाका में आयोजित महिला कबड्डी विश्वकप के फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपेई टीम को 35-28 से पराजित कर भारतीय महिला कबड्डी टीम ने विश्वविजेता बनकर इतिहास रचा। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने दृढ़ता, लगन और शानदार टीम स्पिरिट के बल पर विश्व के सामने भारतीय नारी शक्ति का अप्रतिम सामर्थ्य प्रदर्शित किया है। यह विजय केवल खेल जगत की उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की लाखों बेटियों को प्रेरित करने वाला ऐतिहासिक क्षण है। भारतीय महिलाओं के इस रिकॉर्ड प्रदर्शन ने नए भारत की शक्ति का संदेश दिया है। उनकी खिलाड़ी भावना और कठिन परिश्रम को मैं तहेदिल से सलाम करता हूं, ऐसे शब्दों में उपमुख्यमंत्री तथा महाराष्ट्र ओलिंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष अजित पवार ने टीम को बधाई दी।

अपने शुभकामना संदेश में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि भारतीय महिला कबड्डी टीम द्वारा दिखाया गया साहस, तकनीक और टीमवर्क हर भारतीय के लिए प्रेरणादायी है। संजू देवी और उपकप्तान पुष्पा की निर्णायक रेड्स ने फाइनल में भारत को बढ़त दिलाते हुए जीत सुनिश्चित की। प्रशिक्षक तेजस्विनी बाई के मार्गदर्शन में टीम ने एक बार फिर वैश्विक कबड्डी पर अपना दबदबा साबित किया है।

पिछले एक महीने में भारतीय महिलाओं द्वारा हासिल किए गए तीन विश्व खिताबों का विशेष उल्लेख करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री पवार ने कहा कि देश में महिला खेल अभूतपूर्व ऊंचाइयों को छू रहा है। सर्वप्रथम भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर आईसीसी महिला विश्वकप जीता।

बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन स्कूलों के टीचर्स के लिए 'प्रोजेक्ट इंक्लूजन' के तहत ऑनलाइन ट्रेनिंग सेशन अरबिंदो सोसाइटी ने स्पेशल सेशन किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन स्कूलों में किंडरगार्टन और क्लास 1 से 8 तक के टीचर्स के लिए 'प्रोजेक्ट इंक्लूजन' के तहत एक इंटरनल ऑनलाइन ट्रेनिंग सेशन ऑर्गनाइज़ किया गया। श्री अरबिंदो सोसाइटी द्वारा ऑर्गनाइज़ किया गया यह सेशन, स्पेशल ज़रूरतों वाले स्टूडेंट्स को कॉम्प्रिहेंसिव और क्वालिटी एजुकेशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। यह सेशन उन स्टूडेंट्स की कॉम्प्रिहेंसिव एजुकेशन के लिए फायदेमंद होगा जिन्हें स्पेशल सपोर्ट की ज़रूरत है और जिन्हें मेंटल डेवलपमेंट में दिक्कतें हैं। यह सेशन बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर और एडमिनिस्ट्रेटर श्री भूषण गगरानी और एडिशनल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर (ईस्टर्न सबर्ब्स) डॉ. अमित सैनी के गाइडेंस में और डिप्टी कमिश्नर (एजुकेशन) डॉ. (मिसेज़) प्राची जांभेकर, एजुकेशन ऑफिसर श्रीमती सुजाता खरे की मौजूदगी में हुआ। पूरे साल सेमिनार होंगे।

डिप्टी कमिश्नर डॉ. (श्रीमती) प्राची जांभेकर ने 'प्रोजेक्ट इनक्लूजन' की ज़रूरत, मकसद और लागू करने के मौजूदा हालात पर रोशनी डाली। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्कूलों में दिव्यांग और स्पेशल स्टूडेंट्स को पढ़ाई की मेनस्ट्रीम में लाने के लिए टीचर्स को मेहनत करनी बहुत ज़रूरी है। ऐसे स्टूडेंट्स को पहचानने और उन्हें समय पर ज़रूरी स्पेशल मदद दिलाने के बारे में जागरूकता पैदा की जानी चाहिए, और उनके पेरेंट्स में भी जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। अगर ऐसे स्टूडेंट्स को सही इलाज मिले, तो उनकी बिहेवियरल प्रॉब्लम्स सॉल्व हो सकती हैं, और वह स्टूडेंट मेनस्ट्रीम में आ सकता है। इस बारे में, उन्होंने बताया कि इस तरह के सेमिनार पूरे साल होते रहेंगे।

श्री अरबिंदो सोसाइटी की श्रीमती प्राजक्ता और श्रीमती पूजा दास ने टीचर्स को करिकुलम के बारे में डिटेल में जानकारी दी। साथ ही, डॉ. रवि प्रकाश ने सीखने में आने वाली मुश्किलों की जल्दी पहचान और इंटरवेंशन जैसे ज़रूरी टॉपिक पर बात की। लगभग 150 स्पेशल टीचर्स और ऑफिसर्स वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए इस ऑनलाइन सेशन में शामिल हुए। साथ ही, लाइव ब्रॉडकास्ट के दौरान 1000 से ज़्यादा टीचर्स ने हिस्सा लिया। डॉ. (श्रीमती) सिमी महाजन ने कोऑर्डिनेट किया।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(सीवरेज ऑपरेशन डिपार्टमेंट)

ई-टेंडर नोटिस

टेंडर आई.डी.	2025 MCGM 150628
ऑर्गनाइज़ेशन का नाम	बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन
विषय	ओल्ड घाटकोपर पंपिंग स्टेशन के परिसर में E.E. Mech. (M.S.) E.S. सेक्शन के ऑफिस में अलग-अलग केबिन का रेनोवेशन और रिफर्बिशमेंट।
टेंडर स्क्रूटनी फीस	Rs.3,630/- + (18% GST) = 4,284/-
ई-टेंडर की कीमत (अनुमानित कीमत)	(आइटम रेट टेंडर)
बिड सिक्योरिटी डिपॉज़िट/बीएमडी	Rs.20,000/-
टेंडर जारी करने और बेचने की तारीख	26.11.2025 को 11:00 बजे से
पैकेट A, B और पैकेट C ऑनलाइन जमा करने की आखिरी तारीख और समय और (बिड सिक्योरिटी डिपॉज़िट मिलना)	02.12.2025 को 16:00 बजे तक
पैकेट A और B खोलना	03.12.2025 को 16:10 बजे के बाद
पैकेट C खोलना	पैकेट 'A' और 'B' के इवैल्यूएशन के बाद
बातचीत के लिए पता	डिप्टी चीफ इंजीनियर (एस.ओ.)पी एंड एमएस सब्स, वर्सोवा पंपिंग परिसर, जंक्शन जे.पी. रोड और रिलीफ रोड, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई 400 053
बिड खोलने की जगह	ई. ई. मैकेनिकल. (एम. एस.) ई. एस., ओल्ड घाटकोपर पंपिंग स्टेशन, शॉपर्स स्टॉप के पास, घाटकोपर-माहुल रोड, घाटकोपर (ईस्ट), मुंबई - 400 089
महाटेंडर पोर्टल	https://mahatenders.gov.in

यह टेंडर डॉक्यूमेंट ट्रांसफर नहीं किया जा सकता।
बीएमसी के पास ऊपर दिए गए सब्जेक्ट के लिए मिले किसी भी एप्लीकेशन को स्वीकार करने या बिना कोई कारण बताए किसी या सभी एप्लीकेशन को रिजेक्ट करने का अधिकार है।

(श्री आर.डी. राजपूत)
ई.ई.मैकेनिकल(एम.एस.)ई.एस.

पीआरओ/2357/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

राम मंदिर पर भगवा ध्वज : राशिद अल्वी का पीएम मोदी पर तीखा वार, पूछा- मस्जिद-चर्च पर भी फहराएंगे?

मुम्बई **(एजेंसी)**। पूर्व कांग्रेस सांसद राशिद अल्वी ने मंगलवार को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर पर भगवा झंडा फहराने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाया और पूछा कि क्या वह मस्जिद, गुरुद्वारा या चर्च पर ऐसा करेंगे। एएनआई से बात करते हुए, अल्वी ने प्रधानमंत्री मोदी पर 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले राम मंदिर मुद्दे का इस्तेमाल 'राजनीतिक लाभ' के लिए करने का आरोप लगाया और उन्हें भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से धर्मनिरपेक्षता सीखने को कहा। कांग्रेस नेता ने कहा कि संविधान के अनुसार इस देश का कोई धर्म नहीं है, फिर प्रधानमंत्री यह झंडा क्यों फहराना चाहते हैं? क्या वह मस्जिद, गुरुद्वारा या चर्च पर झंडा फहराएंगे? वह राजनीतिक लाभ के लिए राम मंदिर पर झंडा फहराना चाहते हैं, ताकि देश में धार्मिक भावनाओं को भड़काकर यूपी चुनाव में फायदा उठा सकें... उन्हें पंडित जवाहरलाल नेहरू से धर्मनिरपेक्षता सीखनी चाहिए। यह प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत द्वारा आज अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के 191 फुट ऊंचे शिखर पर भगवा ध्वज

फहराने के बाद आया है, जो मंदिर निर्माण के पूरा होने का प्रतीक है। ध्वजारोहण समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और विश्व 'राम मय' है, क्योंकि उन्होंने राम मंदिर के ऊपर धर्म ध्वजा की स्थापना को एक ऐसे क्षण के रूप में वर्णित किया जो 'सदियों के घावों' को भर देता है और 500 वर्षों से जीवित रखे गए एक सभ्यतागत संकल्प की पूर्ति का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज पूरा भारत और विश्व राममय है। प्रत्येक रामभक्त के हृदय में असाधारण संतोष है। असीम कृतज्ञता है। अथाह अलौकिक आनंद है। सदियों के घाव भर रहे हैं। सदियों का दर्द आज शांत हो रहा है। सदियों का संकल्प आज सिद्ध हो रहा है। आज उस यज्ञ की पूर्णाहुति है जिसकी अग्नि 500 वर्षों तक प्रज्वलित रही। उन्होंने आगे कहा कि भव्य राम मंदिर के शिखर पर स्थापित धर्म ध्वजा का गहरा प्रतीकात्मक महत्व है।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

डिप्टी CME/PLG, चर्चगेट, मुंबई 400020 टेंडर नोटिस नंबर: WR-Mech-2025-WT-01, तारीख 20.12.2025 आमंत्रित करता है। **काम और जगह:** पश्चिम रेलवे पर अलग-अलग जगहों पर 5 CNC अंडर फ्लोर व्हील लेथ, 2 CNC टैंडम अंडर फ्लोर व्हील लेथ, 2 CNC सरफेस व्हील लेथ और 2 CNC पोर्टल व्हील लेथ की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग (टर्नकी बेसिस पर)। **काम की लगभग लागत:** 142,65,31,674/- (सब मिलाकर)। ईएमडी: 72,82,700/-। **जमा करने की तारीख और समय:** 23.12.2025, 15:00 बजे तक। **खुलने की तारीख और समय:** 23.12.2025 को 15:30 बजे। ज़्यादा जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। **0831**

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

समाज को जागरूक करने और देश बनाने में संतों का बहुत बड़ा योगदान है- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

छत्रपति संभाजीनगर। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वेरुल में कहा कि समाज को जागरूक करने और देश बनाने में संतों का बहुत बड़ा योगदान रहा है।
मुख्यमंत्री फडणवीस ओम जगद्गुरु जनशांति धर्म समारोह के लिए वेरुल में संत जनार्दनस्वामी के आश्रम गए। इस मौके पर संत शांतिगिरी महाराज मौजूद थे। MLA संजय केनेकर, ए. प्रशांत बांब, सुरेश चव्हाणके वगैरह इस मौके पर मौजूद थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 751 कुंड यज्ञशाला का उद्घाटन किया और भगवान शिव की मूर्ति की पूजा और उद्घाटन किया। संत नागेश्वरानंद और संत अविमुक्तेश्वरानंद स्वामी ने फडणवीस का स्वागत किया।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि संत शांतिगिरी महाराज की कृपा से लाखों लोगों की ज़िंदगी बदल गई है। देश को तरक्की के रास्ते पर ले जाने की ताकत संतों के मार्गदर्शन में है।

मेडिसिन के फील्ड में इनोवेटिव रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए सुविधाओं वाला एक बड़ा सेंटर बनाया जाएगा-नरहरि जिरवाल

मुंबई। हेल्थ साइंसेज के लिए बायोटेक्नोलॉजी ज़रूरी होती जा रही है और मेडिसिन के फील्ड में ऐसे इनोवेटिव रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए सुविधाओं वाला एक बड़ा सेंटर (लाइफ साइंसेज इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर) बनाने के लिए एक्शन लिया जाएगा। ऐसा इनोवेशन पार्क आज की ज़रूरत है और इसके बनने से महाराष्ट्र इनोवेटिव मेडिसिन प्रोडक्शन के फील्ड में सबसे आगे रहेगा, ऐसा फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन मिनिस्टर नरहरि जिरवाल ने कहा।

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन मिनिस्टर नरहरि जिरवाल की अध्यक्षता में मिनिस्ट्री में एक मीटिंग हुई। इस मीटिंग में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के जॉइंट कमिश्नर (विजिलेंस) डॉ. राहुल खाड़े, जॉइंट कमिश्नर (ड्रग्स) दारा गहाने, गिरीश हुकारे, वी. टी. जाधव और सीनियर ऑफिसर मौजूद थे।

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन मिनिस्टर नरहरि जिरवाल ने कहा कि देश में गुजरात, आंध्र प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में रिसर्च सेंटर बनाए जा रहे हैं और दवाओं से जुड़ी बायोलॉजिकल और केमिकल रिसर्च के लिए फॉर्मूलेशन लैब भी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के ज़रिए बनाई जा रही हैं। इस सेंटर का मुख्य मकसद फार्मास्यूटिकल (फार्मा), बायोटेक, मेडिकल डिवाइस, डायग्नोस्टिक्स और डिजिटल हेल्थ सेक्टर में इनोवेटिव स्टार्टअप्स को मॉडर्न सुविधाएं, टेक्निकल गाइडेंस और फंडिंग देना होगा।

इससे राज्य में फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा, स्टार्टअप्स को गाइडेंस और ट्रेनिंग की सुविधाएं मिलेंगी। रोजगार पैदा होंगे। यह इंस्टीट्यूट वर्ल्ड-क्लास फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स के लिए एक परफेक्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट के तौर पर काम करेगा। मिस्टर जिरवाल ने यह भी कहा। मीटिंग में फूड सेफ्टी, क्वालिटी कंट्रोल और विजिलेंस ब्रांच के अधिकारी शामिल हुए।

धर्मेंद्र के निधन की खबर से अमिताभ बच्चन को लगा गहरा धक्का

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

धर्मेंद्र के निधन की खबर ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री को भावनाओं से भर दिया, लेकिन अमिताभ बच्चन पर इसका असर सबसे गहरा हुआ। 'शोले' की जय-वीरू की जोड़ी के रूप में दोनों का रिश्ता सिर्फ पर्दे तक नहीं रहा, असल जिंदगी में भी उनकी दोस्ती मिसाल बनी रही। 24 नवंबर की रात अमिताभ बच्चन पूरी रात सो नहीं सके और अपने दोस्त धर्मेंद्र को याद करते हुए रात 2:30 बजे सोशल मीडिया पर लिखा– 'एक और बहादुर महापुरुष हमें छोड़ गयाष्ठ मंच खाली कर गया, पीछे छोड़ गया एक ऐसा सन्नाटा जिसमें दर्द की आवाज है। धरम जी... महानता की मिसाल, जो न केवल अपनी दमदार कद-काठी के लिए बल्कि अपने बड़े दिल और सादगी के लिए भी जाने जाते थे।'

अमिताभ ने धर्मेंद्र की सादगी, मुस्कान और आकर्षण को भी याद किया। उन्होंने लिखा, धर्मेंद्र पंजाब की मिट्टी की खुशबू अपने साथ लाए थे और इंडस्ट्री के बदलते दौर में भी वही बने रहे–न कभी बदले, न अपनी जड़ों से दूर हुए। उनके साथ बिताए हुए पलों को 'असहनीय खामोशी' कहा, जो हमेशा उनके आसपास रहेगी। अमिताभ ने यह भी जताया कि फिल्म इंडस्ट्री में बहुत कम लोग धर्मेंद्र जैसी गर्मजोशी और अपनापन रखते हैं।

'शोले' जैसी आइकॉनिक फिल्म की जय-वीरू की जोड़ी आज टूट चुकी है, दिलों में रह जाएगी उनकी दोस्ती, जिंदादिली और यादें। धर्मेंद्र के जाने का दुख अमिताभ के शब्दों में झलकता है, 'अब हमारे आस-पास सब कुछ खाली हैष्ठ एक ऐसा खालीपन जो हमेशा रहेगा।' पूरे बॉलीवुड ने अमिताभ बच्चन की भावनात्मक पोस्ट पर अपनी श्रद्धांजलि और सम्मान जताया।

धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में भी अमिताभ बच्चन शामिल हुए और परिवार के साथ अपनी संवेदनाएं साझा कीं। धर्मेंद्र के लिए यह श्रद्धांजलि सिर्फ एक पोस्ट नहीं बल्कि एक सच्चे दोस्त के दिल का दर्द है, जिसने साथ की ताकत, दोस्ती और इंसानियत को सबसे ऊपर रखा। धर्मेंद्र के जाने से बॉलीवुड के एक दौर का अंत हो गया है, जिसे कोई भर नहीं सकता।

एडिटर बाबूराव विष्णु राव पराडकर के मेमोरियल के लिए जगह चुनें के निर्देश- आशीष शेल्लार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

हिंदी पत्रकारिता के पितामह, एडिटर-इन-चीफ बाबूराव विष्णु राव पराडकर का मेमोरियल सिंधुदुर्ग जिले के मालवण तालुका के मौजे पराड में बनाया जाएगा। इसके लिए सिंधुदुर्ग के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर की अध्यक्षता में बनी एक कमेटी अगले सात-आठ दिनों में जगह चुनने का फैसला करे, कल्चरल अफेयर्स मिनिस्टर एडवोकेट आशीष शेलार ने साफ निर्देश दिए हैं।

सिंधुदुर्ग जिले के मौजे पराड में एडिटर-इन-चीफ बाबूराव विष्णु राव पराडकर का मेमोरियल बनाने के बारे में कल्चरल अफेयर्स मिनिस्टर एडवोकेट शेलार की अध्यक्षता में मिनिस्ट्री में एक मीटिंग हुई। बैठक में सांस्कृतिक कार्य विभाग के निदेशक विभीषण चवरे, पुरातत्व विभाग के निदेशक डॉ.

तेजस गर्गे, मुंबई पत्रकार संघ के अध्यक्ष संदीप चव्हाण और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सिंधुदुर्ग जिला कलेक्टर, सिंधुदुर्ग जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, सामान्य प्रशासन, सार्वजनिक निर्माण विभाग, ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों और काशी पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष राममोहन पाठक उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट शेलार ने कहा कि संपादक बाबूराव विष्णु राव पराड़कर निर्भीक, समाजोन्मुखी पत्रकारिता के प्रेरणास्रोत हैं और उनका नाम आज भी हिंदी पत्रकारिता के इतिहास में सबसे ऊंचा माना जाता है। काशी में उनका स्मारक बनाया गया है। संपादक बाबूराव विष्णु राव पराड़कर कोंकण के सपूत होने के कारण उनका स्मारक और उनकी जीवन गाथा लोगों तक पहुंचनी चाहिए। इस उद्देश्य से उनके पैतृक गांव में स्मारक बनाया जा रहा है। इस स्मारक को बनाने के लिए सरकार ने सिंधुदुर्ग जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक समिति बनाई है। इस बनाई गई कमेटी को एडिटर बाबूराव विष्णु राव पराडकर के मेमोरियल के लिए जगह तय करके नापना चाहिए और उस जगह पर मेमोरियल के साथ-साथ गांववालों की मांगों पर भी विचार करना चाहिए। कल्चरल अफेयर्स मिनिस्टर एडवोकेट शेलार ने यह भी निर्देश दिया कि सिंधुदुर्ग डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर इस बारे में सात से आठ दिनों के अंदर फैसला लें और तुरंत रिपोर्ट भेजें।

यात्रियों की सुविधा के लिए भुसावल मंडल के कुल 15 स्टेशनों पर 49 एटीवीएम स्थापित, टिकट बिक्री में हुई उल्लेखनीय वृद्धि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

डिजिटल टिकटिंग मोड को प्रोत्साहित करने, सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देने तथा यात्री कतारों की परेशानी का सामना किए बिना टिकट खरीद सकें, इसी उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा स्टेशनों में ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) की सुविधा प्रदान की गई है। साथ ही क्यूआर कोड और यूपीआई आईडी के माध्यम से डिजिटल भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। भुसावल मंडल में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंडल के कुल 15 स्थानों पर 49 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनें (एटीवीएम) स्थापित की गई हैं। यात्रियों को इन मशीनों के उपयोग के लिए 12 प्रशिक्षित सहायक उपलब्ध कराए गए हैं, जो स्टेशन परिसर में यात्रियों को एटीवीएम के माध्यम से टिकट लेने की प्रक्रिया समझाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

भुसावल मंडल के 15 प्रमुख स्टेशनों भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, अमरावती, बुरहानपुर और खंडवा इन स्टेशनों पर पर 49 एटीवीएम स्थापित किया गया है। जिसमें देवलाली, नाशिक रोड, मनमाड, चालीसगाव, पाचोरा, जलगांव, एटीवीएम मशीन की सुविधा शामिल है। एटीवीएम मशीन के उपयोग, उनके लाभ और विशेषताओं को दर्शाने वाले सूचना बोर्ड लगाए गए हैं। साथ ही, यात्रियों को एटीवीएम के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने हेतु
ाणिज्य विभाग के पर्यवेक्षकों व कर्मचारियों की टीमों द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप भुसावल मंडल में एटीवीएम से टिकट बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में 1 अप्रैल से 15 नवम्बर 2024 तक कुल 9,49,287 टिकट बेचे गए थे, जबकि वर्ष 1 अप्रैल से 15 नवम्बर 2025 की इसी अवधि में यह संख्या बढ़कर 12,02,005 तक पहुँच गई – जो लगभग 26.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

फेसिलिटेटर की नियुक्ति, दे रहे जानकारी -

एटीवीएम की यात्रियों द्वारा व्यापक प्रयोग के लिए वाणिज्य विभाग के पर्यवेक्षकों व कर्मचारियों की टीमों द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है एटीवीएम से टिकट प्रदान करने के लिए फेसिलिटेटर की नियुक्ति भी की गई है। साथ ही टिकट काउंटर में बैठे कर्मचारियों द्वारा भी हर संभव सहायता की जा रही है। यात्रियों को ऑनलाइन भुगतान के साथ ही एटीवीएम माध्यम से टिकट लेने के प्रक्रियाओं, इससे होने वाली फायदों की जानकारी दी जा रही है। जिससे यात्रीगण इस सुविधा का सरलता के साथ उपयोग कर इसका लाभ उठा सकें इसके साथ ही विभिन्न स्टेशनों में हेल्प डेस्क का प्रावधान किया गया है जहां टिकट चेकिंग व बुकिंग स्टाफ द्वारा यात्रियों को एटीवीएम के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

यह उपलब्धि एटीवीएम सहायकों के समर्पित कार्य और यात्रियों को मशीनों के उपयोग के प्रति जागरूक करने के सफल अभियान का परिणाम है। इन प्रयासों से टिकट काउंटरों पर भीड़ में कमी आई है तथा मंडल के राजस्व में वृद्धि हुई है।

'संविधान दिवस के मौके पर' 'दिलखुलास' प्रोग्राम में प्रो. विजय मोहिते का खास इंटरव्यू

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ इन्फॉर्मेशन एंड पब्लिक रिलेशंस के बनाए 'दिलखुलास' प्रोग्राम के 'संविधान दिवस' स्पेशल एपिसोड के तहत सिद्धार्थ कॉलेज, मुंबई में संविधान और इतिहास के स्कॉलर प्रो. विजय मोहिते का एक खास इंटरव्यू दिखाया जाएगा।

यह इंटरव्यू 'दिलखुलास' प्रोग्राम में बुधवार, 26, गुरुवार, 27 और शुक्रवार, 28 नवंबर 2025 को हर दिन सुबह 7.25 से 7.40 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो के सभी स्टेशनों के साथ-साथ 'न्यूज़ ऑर्न दें' मोबाइल ऐप पर दिखाया जाएगा। यह इंटरव्यू प्रेजेंटर शिबानी जोशी ने लिया है।

भारत का संविधान हमारे देश का सबसे बड़ा और गाइड करने वाला कानून है और यह देश के शासन, राजनीतिक ढांचे, सरकारी संस्थाओं की शक्तियों और कर्तव्यों के साथ-साथ नागरिकों के बुनियादी अधिकारों और कर्तव्यों के लिए एक साफ फ्रेमवर्क तय करता है। भारतीय संविधान की दुनिया के सबसे बड़े लिखित संविधान के तौर पर एक खास पहचान है। संविधान दिवस के मौके पर 26 नवंबर को 'दिलखुलास' प्रोग्राम के ज़रिए इस विषय पर एक खास इंटरव्यू दिखाया जाएगा। इस प्रोग्राम में प्रो. विजय मोहिते ने संविधान बनने की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भारतीय संविधान का सफर, लोकतांत्रिक मूल्यों को लागू करना और आज की पीढ़ी के सामने आने वाली चुनौतियां, नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य, और आधुनिक समाज में संविधान की उपयोगिता जैसे ज़रूरी मुद्दों पर गाइड किया है।

राज्य की यूनिवर्सिटीज़ को नेशनल और ग्लोबल लेवल पर सबसे आगे लाना चाहिए-हायर और टेक्निकल एजुकेशन मिनिस्टर चंद्रकांतदादा पाटिल

NIRF रैंकिंग को बेहतर बनाने के लिए और कोशिशें करने पर ज़ोर दिया जाना चाहिए

मुंबई। 'महाराष्ट्र की यूनिवर्सिटीज़ को नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग को बेहतर बनाने पर ज़्यादा ध्यान देना चाहिए। सभी यूनिवर्सिटीज़ को राज्य की यूनिवर्सिटीज़ को नेशनल और ग्लोबल लेवल पर सबसे आगे लाने की कोशिश करनी चाहिए,' हायर और टेक्निकल एजुकेशन मिनिस्टर चंद्रकांतदादा पाटिल ने कहा।

राज्य की यूनिवर्सिटीज़ की नेशनल और इंटरनेशनल रैंकिंग को बढ़ाने और एक स्टेट-लेवल SIRF पोर्टल डेवलप करने के लिए हायर और टेक्निकल एजुकेशन मिनिस्टर चंद्रकांतदादा पाटिल की अध्यक्षता में मिनिस्ट्री में एक रिव्यू मीटिंग हुई। इस समय राज्य की यूनिवर्सिटीज़ को र्प्देह और ग्लोबल रैंकिंग में ऊपर उठाने के लिए ज़रूरी उपायों पर चर्चा की गई। हायर और टेक्निकल एजुकेशन मिनिस्टर चंद्रकांतदादा पाटिल ने निर्देश दिया कि यूनिवर्सिटी रिसर्च की क्वालिटी सुधारने, स्टूडेंट एनरोलमेंट

बढ़ाने, क्वालिटी एजुकेशन देने, मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर देने, इंटरनेशनल लेवल पर मान्यता प्राप्त रिसर्च पब्लिश करने और NAAC रैंकिंग सुधारने के लिए तुरंत एक्शन लें।

मीटिंग में हायर और टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी बी. वेणुगोपाल रेड्डी, हायर एजुकेशन डायरेक्टर डॉ. शैलेंद्र देवलंकर, डिप्टी सेक्रेटरी अशोक मांडे, डिप्टी सेक्रेटरी प्रताप लुबल, जॉइंट सेक्रेटरी संतोष खोरगड़े, मुंबई यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. रवींद्र कुलकर्णी, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. विजय फुलारी, कवयित्री बहिनाबाई चौधरी, नॉर्थ महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. वी. एल. माहेश्वरी, इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी मुंबई के वाइस चांसलर डॉ. अनिरुद्ध पंडित और संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

दुनिया के सामने भारतीय महिला शक्ति का एक बड़ा विज़न- डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार

डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार की तरफ से भारतीय महिला कबड्डी टीम को वर्ल्ड कप जीतने पर बधाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ढाका में हुए महिला कबड्डी वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में चीनी ताइपे को 35-28 से हराकर वर्ल्ड टाइटल जीता। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपनी लगन, पक्के इरादे और टीम स्पिरिट से दुनिया के सामने भारतीय महिला शक्ति की बहुत बड़ी ताकत को दिखाया है। यह जीत न सिर्फ स्पोर्ट्स के फील्ड में एक बड़ी कामयाबी है बल्कि एक ऐतिहासिक पल भी है जिसने देश की लाखों लड़कियों को इंस्पायर किया है। भारतीय महिलाओं का रिकॉर्ड तोड़ परफॉर्मेंस नए इंडिया की ताकत की याद दिलाता है, और मैं उनकी स्पोर्ट्समैनशिप और कड़ी मेहनत को दिल से सलाम करता हूं,

डिप्टी चीफ मिनिस्टर और महाराष्ट्र ओलंपिक एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अजीत पवार ने टीम को बधाई देते हुए कहा। अपने बधाई संदेश में, डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार ने कहा कि इंडियन महिला कबड्डी टीम ने जो पक्का इरादा, टेक्निक और टीम स्पिरिट दिखाई है, वह हर इंडियन को इंस्पायर करने वाली है। संजू देवी और वाइस-कैप्टन पुष्पा के शानदार खेल की वजह से इंडिया ने फाइनल में बढ़त बनाई और जीत हासिल की। कोच तेजस्विनी बाई की गाइडेंस में टीम ने एक बार फिर वर्ल्ड कबड्डी में अपना दबदबा साबित किया है।

पिछले महीने इंडियन महिलाओं द्वारा जीती गई तीन वर्ल्ड चैंपियनशिप का खास तौर पर ज़िक्र करते हुए, डिप्टी चीफ मिनिस्टर श्री पवार कहते हैं कि देश में महिला स्पोर्ट्स सेक्टर बहुत तरक्की कर रहा है। पहले, महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को हराकर छण्ण महिला वर्ल्ड कप जीता। फिर इंडियन ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम ने कोलंबो में हुआ पहला ब्लाइंड ऊ20 वर्ल्ड कप जीता और अब इंडिया ने महिला कबड्डी वर्ल्ड कप भी जीत लिया है। सिर्फ एक महीने में इंडियन लड़कियों द्वारा जीती गई इन तीन वर्ल्ड चैंपियनशिप ने पूरे देश का गर्व बढ़ाया है। इंडियन महिला एथलीटों की कामयाबियों का यह सुनहरा दौर शुरू हो गया है और इंडियन महिलाओं की जीत को कोई नहीं रोक सकता। यह कहते हुए कि यह खिलाड़ियों सहित देश की हर लड़की के लिए एक प्रेरणा देने वाला पल है, उपमुख्यमंत्री श्री पवार ने भारतीय महिला कबड्डी टीम के सभी खिलाड़ियों, कोचों, सपोर्ट स्टाफ और परिवारों को बधाई दी है।

सम्पादकीय

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का दबाव कई राज्यों में बीएलओ कर रहे विरोध

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद अब अन्य राज्यों में भी इस प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। मगर इन सवालों में अब बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की व्यस्तता और सीमा का मसला भी जुड़ गया है। चुनाव आयोग की ओर से इन अधिकारियों पर जरूरत से ज्यादा दबाव बनाने के आरोप लग रहे हैं। कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं जिसका विरोध भी हो रहा है। विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि चुनाव आयोग की यह कवायद मतदाता सूची में सुधार नहीं बल्कि अत्याचार का जरिया बन गया है।

काम के दबाव के कारण संबंधित अधिकारियों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है और कुछ को अस्पताल में भर्ती होना पड़ रहा है। हालांकि आयोग का तर्क है कि कुछ अधिकारी इस प्रक्रिया में जानबूझकर लापरवाही बरत रहे हैं। यह सही है कि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराने के लिए मतदाता सूचियों में सुधार जरूरी है। मगर सवाल है कि क्या इस कार्य से जुड़े अधिकारियों पर वास्तव में अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है? अगर ऐसा है तो चुनाव आयोग इस परेशानी को नजरअंदाज क्यों कर रहा है?

बिहार के बाद बारह राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में चार नवंबर से विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू किया गया है जो चार दिसंबर तक चलेगा। इनमें छत्तीसगढ़ गोवा गुजरात केरल मध्य प्रदेश राजस्थान तमिलनाडु उत्तर प्रदेश पश्चिम बंगाल तथा अंडमान-निकोबार लक्षद्वीप और पुडुचेरी शामिल हैं। इस प्रक्रिया का जिम्मा मुख्य तौर पर बूथ स्तरीय अधिकारियों को सौंपा गया है। कई राज्यों में इन अधिकारियों की शिकायत है कि उनके पास काम का बोझ बढ़ गया है और उन पर अत्यधिक दबाव बनाया जा रहा है। वहीं आम लोग भी अपनी परेशानियों के लिए इनसे ही जवाब मांगते हैं।

पश्चिम बंगाल में बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। उनकी मांग थी पुनरीक्षण की समय सीमा बढ़ाई जाए ताकि उन्हें काम के दबाव से राहत मिल सके। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से बूथ स्तरीय अधिकारियों का स्वास्थ्य खराब होने और अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी आ रही हैं। ऐसे में चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह इन अधिकारियों को पेश आ रही दिक्कतों का कोई हल निकाले।

बूथ स्तरीय अधिकारियों का संगठन और विपक्षी दल यह सवाल भी उठा रहे हैं कि विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग जल्दबाजी क्यों कर रहा है। जिस कार्य के लिए दो-तीन माह की जरूरत है उसे पूरा करने के लिए सिर्फ एक माह की समय सीमा क्यों तय की गई है? अगर कोई अधिकारी काम के इस दबाव को नहीं झेल पाता है तो उसके खिलाफ निर्वाचन संबंधी दायित्वों का निर्वहन नहीं करने के आरोप में मुकदमा दर्ज करना क्या न्यायसंगत है?

पिछले करीब तीन हफ्तों के भीतर कई राज्यों में हृदयघात तनाव और आत्महत्या के कारण पंद्रह से अधिक बीएलओ की जान जाने की खबर आई। अगर यह सच है तो वास्तव में मामला गंभीर और संवदेनशील है। निर्वाचन आयोग को इस पर विचार करना चाहिए। उचित समय लेकर पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की ओर ध्यान देना जरूरी है। इस बात पर भी गौर किया जाना चाहिए कि पुनरीक्षण प्रक्रिया में शामिल कर्मियों पर काम का अनावश्यक दबाव बनाने से गड़बड़ियों की संभावना ज्यादा है। इससे मतदाता सूचियों की शुचिता सुनिश्चित करने का मकसद भी अधूरा ही रह जाएगा।

अवसाद की छाया में घिरता जा रहा बचपन बच्चों से लेकर युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति बनती जा रही है एक गंभीर समस्या

देश में बच्चों और किशोरों से संबंधित आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं कई सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करती हैं। सबसे पहला सवाल तो यह है कि आखिर बच्चे इस तरह का जानलेवा कदम उठाने को क्यों मजबूर हो रहे हैं? दूसरा हम अपने बच्चों को कैसी शिक्षा व्यवस्था और परिवेश में ढाल रहे हैं। तीसरा और सबसे अहम सवाल है कि आखिर बच्चे मानसिक रूप से इतने कमजोर क्यों हो रहे हैं? ये सभी पहलू आपस में एक-दूसरे से गहरे तक जुड़े हुए हैं।

असल में आज के दौर में बच्चे मानसिक स्वास्थ्य विकार और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं। बच्चों में आत्महत्या के प्रयास अक्सर आवेगपूर्ण होते हैं। ये प्रयास उदासी भ्रम क्रोध और अति सक्रियता संबंधी समस्याओं से जुड़े हो सकते हैं। उन पर पढ़ाई और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन का दबाव भी बना रहता है। यह दबाव इतना गहरा हो जाता है कि वे अवसाद का शिकार हो जाते हैं और पढ़ाई का बोझ सहन नहीं कर पाते। यह कहना गलत नहीं होगा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और आसपास का माहौल नौनिहालों के जीवन पर भारी पड़ रहा है।

पिछले दिनों जयपुर के एक स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा ने विद्यालय भवन की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद मध्य प्रदेश के रीवा में एक स्कूली छात्रा ने खुदकुशी कर ली थी। इसी तरह दिल्ली के एक स्कूल के छात्र ने मेट्रो प्लेटफार्म से कूदकर अपनी जान दे दी। इस तरह की घटनाएं समाज को झकझोर देने वाली हैं। सवाल है कि इन विद्यार्थियों के मन में पनपती पीड़ा को आखिर कोई क्यों नहीं समझ पाया जो उनकी मौत का कारण बन गया। दरअसल बच्चों

से लेकर युवाओं तक में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति एक गंभीर समस्या बनती जा रही है।

एक अनुमान के अनुसार 15 से 24 वर्ष की आयु के किशोरों और वयस्कों में आत्महत्या मृत्यु का एक बड़ा कारण है। खुदकुशी के प्रयास तनाव आत्म-संदेह सफलता का दबाव वित्तीय अनिश्चितता निराशा और नुकसान की भावनाओं से जुड़े हो सकते हैं। इसके अलावा स्कूल में शिक्षकों या सहपाठियों का अनुचित व्यवहार पारिवारिक कलह हिंसा के संपर्क में आना आवेगशीलता आक्रामकता अस्वीकृति और लाचारी की भावनाएं भी आत्महत्या के विचार को गहरा कर सकती हैं।

मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक अगर थोड़ी सी सतर्कता बरती जाए तो बच्चों और किशोरों की कुछ खास अभिव्यक्तियों से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनके भीतर आत्महत्या के विचार पनप रहे हैं। जैसे- वे अक्सर खुद को नुकसान पहुंचाने वाली टिप्पणियां कर सकते हैं या किसी छोटी-सी बात पर अचानक आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं। इसके अलावा चेतावनी के अन्य संकेतों में खाने या सोने की आदतों में बदलाव उदास मन दोस्तों-परिवार और नियमित गतिविधियों से दूरी तथा शैक्षणिक कार्यों की गुणवत्ता में गिरावट देखी जा सकती है।

आत्महत्या के बारे में सोचने वाले भविष्य की योजना बनाने या उसके संबंध में बात करना भी बंद कर सकते हैं। असल में अवसाद और आत्महत्या की भावनाएं मानसिक विकार हैं जिनका इलाज संभव है। बच्चे या किशोर की बीमारी की पहचान कर उचित उपचार किया जा सकता है। अक्सर देखा गया है कि आत्महत्या के बारे में बात करने में लोग असहज महसूस करते हैं। हालांकि अपने बच्चों से यह पूछना मददगार हो सकता है कि क्या वह अवसादग्रस्त है या आत्महत्या के बारे में सोच रहा है। इस तरह के प्रश्न बच्चे को यह आश्वासन दे सकते हैं कि कोई उसकी परवाह करता है और ऐसे में बच्चे अपनी समस्याओं के बारे में खुल कर बात कर सकते हैं।

बच्चों के साथ संवाद की कमी भी एक बड़ी समस्या है। असल में आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में माता-पिता अपने बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। कामकाजी परिवारों में यह समस्या सबसे ज्यादा है जहां एकल परिवारों में पति और पत्नी दोनों काम कर रहे हैं। ऐसे परिवारों के बच्चों में अवसाद सबसे ज्यादा घर कर रहा है। इन बच्चों को लगता है कि माता-पिता के पास उनके लिए समय नहीं है। ये बच्चे अपने मन की बात किससे कहें? मनोचिकित्सकों का मानना है कि आजकल छोटे बच्चे भी अवसाद और चिंता का शिकार हो रहे हैं। इसकी दो बड़ी वजह हैं। पहली बच्चों को लगता है कि दुनिया में उनका कोई नहीं है उनकी किसी को परवाह नहीं है। दूसरी उन पर पढ़ाई का बोझ सबसे ज्यादा है। बेहतर प्रदर्शन की दौड़ में पिछड़ने का डर उनके मन में इस कदर बैठा दिया गया है कि वे किताबों से आगे कुछ सोच ही नहीं पाते।

राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रपट के मुताबिक वर्ष 2022 में देश में 13 044 बच्चों ने आत्महत्या की। इन मामलों में 2 248 विद्यार्थियों ने परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर यह कदम उठाया। वहीं एनसीआरबी के वर्ष 2001 के आंकड़े के मुताबिक देश भर में 5 425 बच्चों ने आत्महत्या की थी। ये आंकड़े बताते हैं कि विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाओं में कितनी तेजी से इजाफा हो रहा है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार देश में अवसाद से जूझ रहे 40 से 90 फीसद किशोर कई तरह की परेशानियों का सामना कर रहे हैं। वे मानसिक चुनौतियां की वजह से मादक पदार्थों का सेवन तक करने लगते हैं। आइसीएमआर का सर्वेक्षण बताता है कि देश में बारह से तेरह फीसद विद्यार्थी मनोवैज्ञानिक भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। 'द लांसेट' पत्रिका का एक अध्ययन बताता है कि दुनिया का हर बारह में से एक बच्चा कभी न कभी आत्महत्या के विचार अपने मन में लाता है।

अवसाद चिंता अकेलापन और दोस्तों या घर-परिवार से किसी तरह का समर्थन नहीं मिलने के कारण बच्चों में आत्महत्या के विचार पनपने लगते हैं। बच्चों के काम करने के तरीके उनके व्यवहार में आ रहा बदलाव उनकी खामोशी या फिर गुस्सा और चिड़चिड़ापन जैसी व्यवहारगत आदतें सबसे पहले माता-पिता को पता चलती हैं इसलिए उन्हें सतर्क रहने की जरूरत है। इसके अलावा स्कूल में शिक्षकों और दोस्तों को भी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आत्महत्या के विचार या योजना बनाने वाले बच्चे या किशोर को तुरंत किसी अच्छे मनोचिकित्सक के पास ले जाकर उपचार किया जा सकता है।

बच्चों और किशोरों की आत्महत्या की घटनाएं बढ़ना न केवल हमारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल है बल्कि हमारे घर-परिवार और समाज की उदासीनता एवं लापरवाही को भी उजागर करता है। आखिर क्यों हम अपने बच्चों को समझ नहीं पा रहे हैं? क्यों हम उनके मन को पढ़ नहीं पा रहे हैं? चूक कहां हो रही है? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा कि कहीं हमने पैसे कमाने की होड़ में अपने बच्चों को अकेले घुटने के लिए तो नहीं छोड़ दिया है? पढ़ाई में अव्वल आने की दौड़ में उन्हें जीवन जीने या यों कहिए कि बचपन से दूर तो नहीं कर दिया है? हमें सोचना होगा कि आखिर जिंदगी बड़ी है या किताबी सफलता। सवाल बहुत हैं जिनके जवाब हम सबको मिलकर तलाशने होंगे ताकि बच्चों और किशोरों के जीवन को सुरक्षित और खुशहाल बनाया जा सके।

हर बीतता पल हमें मृत्यु के एक-एक क्षण ले जाता है करीब मौन होकर भी सबसे प्रखर है समय की भाषा

दुनिया में अगर कोई एक चीज ऐसी है जो अमीर-गरीब ज्ञानी-अज्ञानी राजा-रंक और साधु-पापी सबको बराबर मिलती है तो वह है वक्त। यही वह अदृश्य पूंजी है जिसे न कोई चुरा सकता है न बांट सकता है और न ही वापस पा सकता है। समय का यह न्याय इतना कठोर और निष्पक्ष है कि इतिहास के सभी निर्णय सभी परिवर्तन और सभी क्रांतियां इसी की गोद में पली हैं। समय के तराजू में किसी की पहचान नहीं तौली जाती केवल कर्म का भार मापा जाता है। एक ही सूरज सब पर समान रूप से उगता है।

एक ही दिन सभी के लिए चौबीस घंटे का होता है पर कोई उसी में स्वप्न साकार कर लेता है और कोई शिकायतें संजोकर सो जाता है। फर्क वक्त के वितरण में नहीं बल्कि उसके उपयोग की दृष्टि में है। किसी ने उन चौबीस घंटों में भविष्य गढ़ लिया किसी ने उन्हें पछतावे में गंवा दिया। हालांकि इसी दुनिया में ऐसे भी लोग हैं जिनकी जीवन स्थितियां उनका अपना चुनाव नहीं है और अपने जीने के जद्दोजहद में उनका समूचा वक्त निकल जाता है। ऐसे लोग भी चाहते हैं कि उनके जीवन में इतना वक्त हो कि वे अपने या अपनों या फिर दुनिया के बारे में कुछ सोच सकें कुछ जान सकें और उसके बाद अपने जीवन को कोई नई दिशा दे सकें।

बहरहाल यह समय का चमत्कार है कि यह समान मात्रा में बंटता है पर उसका मूल्य व्यक्ति खुद तय करता है। जीवन दरअसल वक्त का दूसरा नाम ही है। हम सोचते हैं कि जीवन बीत रहा है जबकि बीतता समय है। हर बीतता पल हमें मृत्यु के एक क्षण पास ले जाता है लेकिन साथ ही हर क्षण यह अवसर भी देता है कि हम उस बीतने को सार्थक बना सकें। मनुष्य का जीवनकाल समय का एक संक्षिप्त अनुबंध है। इसकी अवधि तय नहीं होती पर इसका उपयोग पूरी तरह हमारे विवेक पर निर्भर होता है। कभी-कभी लगता है कि समय बहुत तेजी से भाग रहा है पर सच यह है कि समय स्थिर है भागता तो मनुष्य है अपनी इच्छाओं महत्त्वाकांक्षाओं और असंतोष के पीछे। समय कभी बोलता नहीं लेकिन उसका मौन सबसे प्रखर भाषा है। यह हर व्यक्ति को उसकी हैसियत कीमत और नियति का बोध कराता है। कभी यह शिक्षक बनकर अनुशासन सिखाता है कभी कठोर परीक्षक बनकर हमारे कर्मों का परिणाम दिखाता है। जो लोग समय के साथ चलना सीख जाते हैं वे इतिहास रचते हैं जो लोग समय को ठुकरा देते हैं इतिहास उन्हें भुला देता है। बुद्ध के ध्यान से लेकर गांधी के सत्याग्रह और फिर उससे आगे विज्ञान की खोजों तक- हर परिवर्तन समय के साथ की गई साधना का परिणाम है।

वक्त के सामने सबसे बड़ा भ्रम अहंकार है। राजा सोचता है राज्य उसका है; व्यापारी सोचता है धन उसका है; बुद्धिजीवी सोचता है विचार उसके हैं। पर समय धीरे से हंसता है और कहता है- 'ये सब मेरे उधार हैं एक दिन लौटा देने होंगे।' वक्त जब पलटता है तो सिंहासन भी झुका देता है और भिखारी को भी प्रतिष्ठा दे देता है। यही उसका संतुलन है यही उसका दार्शनिक सौंदर्य। जो व्यक्ति यह समझ लेता है कि 'मैं नहीं समय बड़ा है' वही शांति पाता है। समय की साधना का अर्थ है- वर्तमान में जीना। भविष्य की चिंता और अतीत का बोझ मनुष्य को उस एकमात्र सत्य से दूर ले जाते हैं जो उसके पास है- यह क्षण।

दरअसल वर्तमान ही समय का वास्तविक रूप है। न अतीत को पकड़ा जा सकता है न भविष्य को छुआ जा सकता है। महर्षि पतंजलि ने योगसूत्रों में कहा- 'क्षणक्षणं युगवत् भवति।' यानी हर क्षण में युगों की संभावना छिपी है। अगर कोई व्यक्ति हर क्षण को सच्चे मन से जी सके तो वही क्षण उसके जीवन का स्वर्णयुग बन सकता है। समय के मूल्य को केवल वही जानता है जिसने उसे खोया है। बीता हुआ पल किसी भी धन से खरीदा नहीं जा सकता। कभी-कभी हम सोचते हैं कि भविष्य में सब ठीक कर लेंगे पर यह भूल जाते हैं कि भविष्य वही है जो वर्तमान से बनता है।

समय को आदर देना दरअसल अपने जीवन को आदर देना है। जो लोग समय को 'सहेजना' जानते हैं वे जीवन की हर लड़ाई जीत लेते हैं। और जो उसे 'टालना' जानते हैं वे धीरे-धीरे अपनी ही क्षमता को खो देते हैं। वक्त किसी का दुश्मन नहीं होता लेकिन यह किसी के प्रति दयालु भी नहीं होता। यह बस अपना धर्म निभाता है- बहना बदलना और सबको परखना। जो इसके साथ चलना सीख जाए वह आगे बढ़ता है। जो इसके विरोध में जिये वह ठहर जाता है। इसलिए वक्त को समझना एक दार्शनिक साधना है- यह हमें सिखाता है कि जीवन सीमित है इसलिए हर क्षण को सार्थक बनाओ। यह बताता है कि सबको बराबर मिलता है पर जो उसका सम्मान करता है वही वास्तव में 'जीता' है। वक्त अदृश्य अजेय और अपरिहार्य है। जो इसे पहचान लेता है वह खुद को पहचान लेता है।

नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन से आर्थिक विकास को दी जा सकती है गति

वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों पर करों का बोझ कम करने का ईमानदार प्रयास किया है। सबसे पहिले आयकर की सीमा को 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया (जिसका मतलब है कि 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले नागरिकों को अब आयकर नहीं देना होगा) इसके बाद वस्तु एवं सेवा कर की दरों का युक्तिकरण करते हुए पूर्व में लागू चार दरों (5 प्रतिशत 12 प्रतिशत 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत) को केवल दो दरों (5 प्रतिशत एवं 18 प्रतिशत) में परिवर्तित कर दिया गया। इससे भारत में 90 प्रतिशत से अधिक उत्पाद एवं सेवाओं पर करों की दर में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों की दरों में की गई उक्त कमी के चलते नागरिकों के हाथो में खर्च करने हेतु अधिक राशि की बचत हुई है और इसका प्रभाव इस वर्ष दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के शुभ अवसर पर उपभोक्ता वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री में हुई भारी भरकम वृद्धि के रूप में देखने को मिला है। वर्ष 2025 के दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के समय 5.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि के उत्पाद एवं 65 000 करोड़ रुपए की राशि की सेवाओं की बिक्री हुई है जो अपने आप में एक रिकार्ड है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरों में कटौती की है। वर्ष 2025 में रेपो दर को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 5.50 प्रतिशत तक नीचे लाया गया है इससे भारत में नागरिकों एवं उद्योग जगत को सस्ती दरों पर ऋण की सुविधा उपलब्ध हो रही है। दिसम्बर 2025 में भी रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे ऋणों पर ब्याज दर में और अधिक कमी हो सकती है। साथ ही अब तो केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों द्वारा भी किसानों बुजुर्गों एवं महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ही सहायता राशि जमा की जा रही है जिससे भारतीय नागरिकों के हाथों में अधिक मुद्रा उपलब्ध हो रही है और वे अधिक मात्रा में बाजार से उत्पादों को खरीदने में सक्षम हो रहे हैं। भारत में हाल ही के समय में आम जनता की क्रय शक्ति इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर पर भी नियंत्रण स्थापित किया जा सका है और खुदरा महंगाई की दर 2 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है जो 10/12 वर्ष पूर्व तक 10 प्रतिशत के आसपास रहती थी। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत 10 प्रतिशत वार्षिक विकास दर को हासिल करने की ओर तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है।

केंद्र सरकार द्वारा 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज भी उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे भारत में अति गरीब नागरिकों की संख्या तेजी से कम हो रही है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाया जा सका है। भारत में लगातार कम हो रही अति गरीब नागरिकों की संख्या की प्रशंसा वैश्विक वित्तीय संस्थानों विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आदि द्वारा भी समय समय पर की गई है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारतीय नागरिकों को करों में उक्त वर्णित रियायतें देनें एवं गरीब वर्ग को मुफ्त अन्न उपलब्ध कराने एवं उनके खातों में सीधे सहायता राशि जमा कराने जैसी योजनाओं को चलाने के बावजूद केंद्र सरकार के बजटीय घाटे को लगातार कम करने में सफलता मिल रही है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के खंडकाल में लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो प्रतिवर्ष लगातार कम होते होते वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आने का अनुमान लगाया गया है। यह सम्भव हो सका है क्योंकि भारत के नागरिकों द्वारा अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर की राशि को ईमानदारी से सरकार के खजाने में जमा कराया जा रहा है। भारत में हाल ही के वर्षों में कर अनुपालन में काफी सुधार दिखाई दिया है।

यह सही है कि किसी भी देश में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में उस देश में इस संदर्भ लागू की जाने वाली आर्थिक नीतियों का प्रभाव पड़ता है परंतु यदि उस देश में समाज भी सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करे तो आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज किया जा सकता है। अर्थात समाज को अपने नागरिक कर्तव्यों पर आज और अधिक विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवकों द्वारा पंच परिवर्तन नामक कार्यक्रम को समाज के बीच ले जाने का प्रयास बड़े उत्साह से किया जा रहा है। पंच परिवर्तन कार्यक्रम में 5 बिंदु शामिल हैं - नागरिक कर्तव्य कुटुम्ब प्रबोधन पर्यावरण समरसता एवं स्व के भाव का जागरण (इसमें स्वदेशी अर्थात देश में निर्मित उत्पादों का उपयोग भी शामिल है)। इन 5 आयामों के माध्यम से समाज परिवर्तन के कार्य को गति देने का प्रयास किया जा रहा है जिसमें भारतीय नागरिकों को अपने नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। देश के कानूनों का पालन करना और उनका सम्मान करना नागरिकों की जिम्मेदारी है। इस कर्तव्य को पूरा करने से समुदाय में अनुशासन और सुरक्षा की भावना पैदा होती है। दैनिक जीवन के छोटे छोटे नियमों का पालन करने से सामाजिक अनुशासन का विकास होता है। जैसे यातायात नियमों का पालन करना। जहां आवश्यक हो वहां वाहन कतार में लगाना। नागरिक कर्तव्य के अंतर्गत नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे विभिन्न करों का भुगतान समय पर करें एवं सही राशि का भुगतान करें। यह देश की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। यदि समस्त नागरिक अपने इस कर्तव्य का पालन करते हैं तो भारत में करों की दरों को निश्चित ही और अधिक नीचे लाया जा सकता है। इसी प्रकार राष्ट्रीय सम्पत्ति की सुरक्षा एवं रखरखाव करना भी नागरिकों का परम कर्तव्य है जैसे सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना। कभी कभी आम जनता को गुमराह कर आंदोलन हिंसक रूप लेते नजर आते हैं एवं परिणामस्वरूप देश में आगजनी लूटपाट और राष्ट्रीय सम्पदा की हानि देखने को मिलती है। इस सम्बंध में समाज में जागरूकता पैदा किए जाने की आज सख्त आवश्यकता है।

वैसे भी लोकतंत्र की सफलता और स्थिरता नागरिकों की भागीदारी और कर्तव्यों के प्रति सजगता पर निर्भर करती हैं। जब नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनका ईमानदारी से पालन करते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं और देश के आर्थिक विकास की गति तेज होती है। समाज की प्रगति सुरक्षा और समृद्धि के लिए नागरिकों की अपने कर्तव्यों प्रति संवेदनशीलता तथा कटिबद्धता आवश्यक है। देशभक्ति न केवल अपने देश के प्रति प्रेम और निष्ठा है बल्कि अपने देश के उत्थान और सुरक्षा में योगदान भी है। एक देशभक्त नागरिक अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति सदैव संवेदनशील एवं जागरूक रहता है। नागरिक एवं सामाजिक अनुशासन का पालन करना ही स्वतंत्र देश में प्रतिदिन प्रकट होने वाली देशभक्ति है।

नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों में मुख्य रूप से शामिल है (1) संविधान का पालन करना एवं उसके आदर्शों और संस्थाओं राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्गान का सम्मान करना। (2) जिसने हमारे राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को जन्म दिया प्रेरित होने पर उन ऊंचे आदर्शों को विकसित करना और उनका पालन करना। (3) भारत की संप्रभुता एकता और अखंडता उनका रख-रखाव एवं संरक्षण करना। (4) देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्रीय सेवा करना। (5) धार्मिक भाषाई और क्षेत्रीय या वर्ग मतभेदों को पार करना भारत के लोगों के बीच एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना महिलाओं की गरिमा को कम करने वाली प्रथाओं को त्यागना। (6) हमारी विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना और इसे बचाना। (7) वनों झीलों नदियों वन्य जीवों और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना जीवित प्राणियों के प्रति दया दिखाना। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण मानवतावाद जिज्ञासा और सुधरवाद का विकास करना। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करना एवं हिंसा का कठोर त्याग करना। (10) देश में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना एवं सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करना।

भारत के समस्त नागरिक यदि उक्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करते हैं तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ऊपर ले जाने में किसी प्रकार की अन्य कठिनाई आने वाली नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अपनी ओर से देश के लिए हितकारी आर्थिक नीतियां बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं परंतु भारतीय नागरिक होने के नाते हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तभी हम सब मिलकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ कर पाएंगे।

मेरठ में हर्ष फायरिंग ने ली 20 साल की युवती की जान

शादी की खुशियां बदल गईं मातम में – दूल्हे का दोस्त गिरफ्तार!

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में मेरठ जिले के लिसाड़ी गेट इलाके में शादी के जश्न में हुई हर्ष फायरिंग ने एक युवती की जान ले ली। घटना श्यामनगर स्थित 20 फुटा रोड पर हुई, जहां बारातियों का डांस छत पर चल रहा था। 20 वर्षीय अकसा नाम की युवती छत से डांस देख रही थी, तभी अचानक पेट में गोली लग गई।

अकसा को घायल देख उसके भाई अब्दुल समद ने उसे तुरंत बाइक पर बैठाकर अस्पताल की ओर दौड़ाया, लेकिन सड़कें और ट्रैफिक के बीच, अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवती की मौत हो गई। परिजन और वहां मौजूद लोग इस हादसे से सदमे में हैं।

पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। अब तक दूल्हे समेत 3 लोगों के नाम सामने आए हैं, जबकि 20-25 अज्ञात बारातियों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच में पता चला कि साकिब नाम का युवक तमंचे से फायरिंग कर रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है।

इलाके के लोगों ने सवाल उठाया है कि जिले में हर्ष फायरिंग पर पाबंदी है, फिर भी बारातों में खुलेआम पिस्तौलें कैसे लहराई जा रही हैं। इस घटना ने न केवल परिवार को तोड़ा, बल्कि प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हादसे ने एक बार फिर हर्ष फायरिंग के खतरों और इसके खतरनाक परिणामों को उजागर कर दिया है।

मेरठ के दिल दहला देने वाले हत्याकांड में बड़ा मोड़

आरोपी मुस्कान ने जेल में जन्मी बच्ची, डीएनए रिपोर्ट से सामने आएगा सच–कौन है असली पिता?

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मेरठ जिले में हुए सौरभ राजपूत हत्याकांड में एक बड़ा मोड़ सामने आया है। इस केस की मुख्य आरोपी मुस्कान रस्तोगी ने जेल में ही एक बच्ची को जन्म दिया है। बच्ची के जन्म के बाद सौरभ के परिवार ने इसकी पितृत्व जांच (डीएनए टेस्ट) की मांग की है। परिवार का कहना है कि अगर बच्ची सौरभ की साबित होती है, तो वे उसे अपनाकर पालेंगे। अगर डीएनए टेस्ट में बच्ची के पिता साहिल निकलते हैं, तो वे बच्ची की जिम्मेदारी नहीं लेंगे।

यह मामला उस वक्त चर्चा में आया था जब पता चला कि मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर सौरभ की हत्या कर दी थी। दोनों ने मिलकर सौरभ की हत्या की। सबूत छिपाने के लिए शव को टुकड़ों में काटा। टुकड़ों को एक नीले प्लास्टिक ड्रम में भरा। उस पर सीमेंट डाल दिया ताकि बदबू ना आए और किसी को शक ना हो। यह पूरी वारदात बेहद निर्दयता और साजिश के साथ की गई थी।

हत्याकांड के महीनों बाद मुस्कान ने जेल में बच्ची को जन्म दिया। यहां से परिवार की सबसे बड़ी चिंता शुरू हुई कि क्या यह बच्ची सौरभ की है या फिर साहिल की? अब यह सवाल पूरे केस का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

सौरभ के भाई बबलू राजपूत ने कहा है कि हम तभी बच्ची को अपनाएंगे, जब वह हमारे भाई सौरभ की संतान साबित हो। अगर बच्ची साहिल की है तो उसकी जिम्मेदारी हम नहीं ले सकते। परिवार का कहना है कि यह मामला सिर्फ बच्ची की पहचान का नहीं, बल्कि सौरभ की विरासत और परिवार के अधिकारों का भी मामला है।

परिवार का आरोप है कि मुस्कान और साहिल के अवैध संबंध पहले से चल रहे थे। इसी वजह से दोनों ने सौरभ की हत्या की। बबलू का कहना है कि हम बस सच जानना चाहते हैं कि बच्ची किसकी है। साहिल की बच्ची को हमारे ऊपर थोपना अन्याय होगा।

पुलिस ने डीएनए टेस्ट की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस रिपोर्ट के बाद ही कई सवालों के जवाब स्पष्ट होंगे कि बच्ची का असली पिता कौन है? मुस्कान और साहिल का रिश्ता कितना गहरा था? क्या यह हत्या भी इन्हीं संबंधों की वजह से हुई? डीएनए रिपोर्ट आने तक परविार और पुलिस दोनों इस केस की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी का इंतजार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में रोड शो किया, राम मंदिर के 'ध्वजारोहण' से पहले सप्त मंदिर में पूजा की

लखनऊ **(एजेंसी)**। अयोध्या के राम मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज धर्म ध्वज फहराएंगे। इसके लिए पीएम अयोध्या पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में ऐतिहासिक भगवा ध्वज फहराने से पहले अयोध्या के शेषावतार मंदिर में पूजा-अर्चना की। इससे पहले अयोध्या में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर के ज़रिए साकेत महाविद्यालय पहुँचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह से पहले अयोध्या में एक रोड शो किया, जहाँ वे 161 फ़ीट ऊँचे मंदिर शिखर पर 10 फ़ीट गुणा 20 फ़ीट का समकोण वाला तिकोनी भगवा झंडा फहराएँगे। चमकते सूरज, पवित्र कोविदारा पेड़ और 'ॐ' के निशान से सजा यह झंडा भगवान राम की दिव्यता, वीरता और राम राज्य के आदर्शों को दिखाता है, जो एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पल को दिखाता है। इस दौरान भक्तों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और रास्ते में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी दिखाए।

श्रृंगवेरपुर धाम के श्रीश बाहुबली महाराज ने ध्वजारोहण समारोह में हिस्सा लेने पर अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा, 'मुझे यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अपने साथ गंगाजल ले जा रहा हूं, जिसे मैं मोदी को झंडे पर अभिषेक करने के लिए दूंगा।'

अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा की बढ़ीं मुश्किलें

हाईकोर्ट में एफआईआर छिपाने का बड़ा आरोप, निर्वाचन रद्द होने का खतरा!

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अमेठी जिले से सांसद किशोरी लाल शर्मा के खिलाफ लखनऊ हाईकोर्ट में एक अधिकार पृच्छा याचिका दाखिल की गई है। इस याचिका में किशोरी लाल के निर्वाचन को रद्द करने की मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि किशोरी लाल ने अपने चुनावी हलफनामे में अपने खिलाफ दर्ज मुकदमा छिपाया। साल 2012 में किशोरी लाल शर्मा के खिलाफ रायबरेली कोतवाली में राष्ट्रीय ध्वज के अपमान और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। याचिका में कहा गया है कि नामांकन के दौरान यह ईंधं छुपाई गई, इसलिए वे सांसद पद के लिए योग्य नहीं हैं। इससे पहले किशोरी लाल के निर्वाचन को रद्द करने वाली याचिका 7 नवंबर 2025 को खारिज की जा चुकी है।उस आदेश में हाईकोर्ट ने कहा कि 2012 की ईंधं में पुलिस ने फाइनल रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। याची ने इस फाइनल रिपोर्ट के खिलाफ प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र दाखिल किया, जिस पर अग्रिम विवेचना का आदेश हुआ, लेकिन अब तक विवेचना पूरी नहीं हुई है। चुनाव आयोग ने कोर्ट में कहा कि किशोरी लाल के खिलाफ अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं हुई है।कोर्ट ने उन्हें तलब भी नहीं किया है, इसलिए 2012 की एफआईआर को उनके आपराधिक रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने अधिकार पृच्छा याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई का आदेश दिया है। अधिकार पृच्छा याचिका एक न्यायिक याचिका है, जिसके तहत अदालत यह जांचती है कि किसी व्यक्ति ने सार्वजनिक पद पर कब्जा करने का अधिकार सही ढंग से लिया है या नहीं।इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति को सार्वजनिक पद के अवैध प्रयोग से रोकना है।

अन्य मंदिरों में दर्शन का संकल्प भी पूरा करेंगे : राम मंदिर ध्वजारोहण के बीच अखिलेश यादव का बयान

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक सूक्ष्म राजनीतिक कटाक्ष करते हुए कहा कि वह अन्य मंदिरों में जाने से पहले इटावा में निर्माणाधीन श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन करने का अपना संकल्प पूरा करेंगे। यह टिप्पणी अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में ऐतिहासिक 'ध्वजारोहण' समारोह से पहले आई है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक विशेष ध्वजारोहण समारोह के दौरान अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर के 191 फुट ऊँचे शिखर पर पवित्र भगवा ध्वज फहराया।

एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए, यादव ने लिखा कि पूर्णता ही पूर्णता की ओर ले जाती है। ईश्वरीय प्रेरणा से इटावा में निर्माणाधीन 'श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर' के पूर्ण होने पर अन्य मंदिरों के दर्शन का संकल्प भी पूर्ण करेंगे। आस्था जीवन को सकारात्मकता और सद्भाव से भरनेवाली ऊर्जा का ही नाम है। दर्शन के लिए ईश्वरीय इच्छा ही मार्ग बनाती है, वही बुलाती है। सच तो ये है कि हम सब तो ईश्वर के बनाएं मार्ग पर बस चलकर जाते हैं। आस्थावान रहें, सकारात्मक रहें!

बिहार में नई सरकार का पहला कदम

1 दिसंबर से विधानसभा सत्र, नव-निर्वाचित सदस्य लेंगे शपथ, 1 करोड़ नौकरियों का वादा

पटना **(एजेंसी)**। बिहार विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को अगले सप्ताह इसके उद्घाटन सत्र के दौरान शपथ दिलाए जाने की संभावना है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इस आशय का एक प्रस्ताव नीतीश कुमार मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है और इसे राज्यपाल के पास अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, पाँच दिवसीय सत्र 1 दिसंबर से शुरू होने की संभावना है और नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव पद की शपथ दिलाएँगे। जदयू के वरिष्ठ नेता और कई बार विधायक रहे यादव को सोमवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया। वह उपसभापति और मंत्री भी रह चुके हैं। नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण के अलावा, आगामी सत्र के दौरान नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव होने की संभावना है। बिहार विधानसभा चुनाव जीतने के बाद मंगलवार को नीतीश कुमार मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। मंत्रिमंडल ने अगले पाँच वर्षों में राज्य के युवाओं को एक करोड़ नौकरियाँ देने का निर्णय लिया और राज्य को 'पूर्वी भारत का तकनीकी केंद्र' बनाने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने संवाददाताओं को संबोधित किया। सचिव ने बताया कि बैठक के दौरान मुख्य चर्चा के बिंदु व्यापक रोज़गार सृजन और औद्योगिक विकास थे। उन्होंने कहा कि बिहार को पूर्वी भारत का 'तकनीकी केंद्र' बनाने के लिए एक रक्षा गलियारा, सेमीकंडक्टर विनिर्माण पार्क, वैश्विक क्षमता केंद्र, मेगा टेक सिटी और फिटनेस सिटी की स्थापना की जाएगी। अमृत ने कहा कि नए ज़माने की अर्थव्यवस्था के तहत, बिहार को 'अगले पाँच वर्षों में एक बैक-एंड हब और वैश्विक कार्यस्थल' के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समर्पित समितियों का गठन किया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति अभियान के तहत किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। महिला सुरक्षा दल/एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु महिला एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं एवं मुद्दों पर समझ बनाना व घरेलू हिंसा से संरक्षण, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण, पॉक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध प्रमुख अपराधों की जानकारी दी गयी व महिला हिंसा से संबंधित अन्य शिकायतों के निवारण हेतु 1. वीमेन पावर लाइन (1090) 2. पुलिस आपातकालीन सेवा (112) 3. सीएम हेल्पलाइन नंबर (1076) 4. चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर (1098) 5. वन स्टाप सेन्टर (181) 6. साइबर हेल्पलाइन नंबर (1930) 7. स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर (102) 8. एम्बुलेन्स सेवा (108) 9. जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, राष्ट्रीय/राज्य महिला आयोग के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरूक किया गया। मिशन-शक्ति-अभियान के तहत जनपद के समस्त थानों द्वारा पुलिस की पाठशाला/चौपाल लगाकर जागरूकता के क्रम में महिलाओं/छात्राओं को जागरूक किया गया।

यातायात पुलिस द्वारा यातायात माह में वाहन चालकों को किया जागरूक साथ किए चालान

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डाद अभिषेक महाजन के आदेश के अनुपालन के क्रम में ,अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन मे, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी यातायात विश्वजीत शौर्ययान के कुशल पर्यवेक्षण मे प्रभारी यातायात में टीम द्वारा लोहरौली बस्ती बार्डर माधव तिराहा, पुलिस बूथ अयोध्या जाने वाले बड़े वाहनों का रूट डायवर्जन ड्यूटी मे लगे अधिद/कर्मचारीगण को ड्यूटी के संबंध मे ब्रीफ करते हुए उच्चाधिकारीगण द्वारा प्राप्त आदेश-निर्देश से अवगत कराया गया एवं प्रत्येक दशा मे वाहन चालकों से सहयोगात्मक एवं विनम्रतपूर्वक व्यवहार करने हेतु प्रेरित किया गया।

यातायात माह विशेष अभियान के तहत हाईडिल तिराहा, सिद्धार्थ तिराहा, पेट्रोल पम्प तिराहा, स्वामी विवेकानंद चौक से सनई चौराहा, साड़ी तिराहा,कस्बा बाँसी, बाँसी रोडवेज आदि स्थानों पर पीए सिस्टम से आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति पीए सिस्टम से जागरूक करते हुए पम्पलेट्स वितरण करते हुए कस्बा बाँसी एवं रोडवेज स्टेशन बाँसी अवैध अतिक्रमण हटवाया गया एवं कुहरो मे दुर्घटना से बचाव हेतु वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने के साथ-साथ पम्पलेट्स वितरित करते हुए सघन चेकिंग अभियान चलाकर दो पहिया पर तीन सवारी/ बिना हेलमेट वाहन चलाना, चार पहिया वाहनों मे सीट बेल्ट का प्रयोग न करना, सड़कों के किनारे अवैध रूप से खड़े-खड़े वाहनों जिसे दुर्घटना के प्रबल संभावना थी उनका चालान करते हुए कुल 212करते हुये 2,25,500/- रूपये शमन शुल्क की कार्यवाही की गयी तथा प्रत्येक दशा मे यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओ की संख्या मे भारी कमी लायी जा सके।

पुलिस द्वारा अपहरण का आरोपी वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में व बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के पर्यवेक्षण में रामदेव थानाध्यक्ष थाना त्रिलोकपुर के नेतृत्व में थाना त्रिलोकपुर पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 192/2025 धारा 87/137(2)/352/351(3) बीएनएस में वांछित अभियुक्त को शिवनगर डिड़ई बाजार से सरजील अहमद पुत्र मोहम्मद खलील निवासी फूलपुर राजा वार्ड नंबर 8 मालवीय नगर थाना त्रिलोकपुर से गिरफ्तार कर, पीड़ता को बरामद किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय भेजा गया।

पुलिस ने एक नफर वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में शुवेंदु सिंह क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मिश्रौलिया बृजेश सिंह के नेतृत्व में माननीय न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रावस्ती स्थान भिनगा द्वारा जारी गैर जमानतीय वारंट एसटी नं0 185/18 धारा 323,504,498 भादवि व डी0पी0 एक्ट से सम्बन्धित 01 नफर वारंटी सलीम पुत्र बेचन निवासी टेंउआ ग्रांट थाना मिश्रौलिया को गिरफ्तार कर न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रावस्ती स्थान भिनगा के समक्ष पेश करने हेतु रवाना किया गया।

इथियोपिया के ज्वालामुखीय राख का प्रभाव केवल ऊपरी क्षोभमंडल में देखा गया, शाम तक चीन की ओर बढ़ेगा-आईएमडी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इथियोपिया के हेली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट से उठे राख के बादल भारत के कुछ हिस्सों तक पहुँच गए हैं, जिससे विमानन प्रभावित हुआ है, लेकिन स्थानीय मौसम या वायु गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ा है, क्योंकि अधिकारी ऊपरी वायुमंडल की स्थिति पर नज़र रख रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (घ्श्ऊ) में मौसम विज्ञान महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि इसका प्रभाव ऊपरी स्तरों तक ही सीमित रहा।

उन्होंने कहा कि इस ज्वालामुखीय राख का प्रभाव केवल ऊपरी क्षोभमंडल में ही देखा जा रहा है, और यह उड़ान संचालन को प्रभावित कर रहा है। इसका वायु गुणवत्ता और मौसम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। हमारा अनुमान है कि यह ज्वालामुखीय राख शाम तक पूरी तरह से चीन की ओर बढ़ जाएगी।

उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आमतौर पर 35,000 से 40,000 फीट की ऊँचाई पर संचालित होती हैं, जबकि घरेलू उड़ानें 25,000 से 33,000 फीट की ऊँचाई पर उड़ान भरती हैं। उन्होंने आगे कहा कि ज्वालामुखीय राख भारतीय वायुक्षेत्र के 'ऊपरी क्षोभमंडल में' देखी जा रही है। गुजरात में अधिकारियों ने बताया कि कैसे तेज़ ऊपरी हवाएँ राख को लंबी दूरी तक ले गईं। गुजरात विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सलाहकार नरोत्तम साहू ने कहा कि इथियोपिया में हुई टेक्टोनिक गतिविधि के कारण यह शांत ज्वालामुखी 12,000 साल बाद सक्रिय हुआ और फट गया। इस ज्वालामुखी से निकला राख का बादल उत्तर भारत तक पहुँच गया है। इसने विमानन उद्योग के लिए व्यवधान पैदा कर दिया है।

उत्तरी इथियोपिया में लंबे समय से निष्क्रिय हेली गुब्बी ज्वालामुखी से राख का गुबार 14 किलोमीटर ऊँचा उठा और फिर लाल सागर से होते हुए यमन और ओमान की ओर बढ़ गया। यह ज्वालामुखी के इतिहास में पहला दर्ज विस्फोट था। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने सोमवार को एक एडवाइजरी जारी की, जिसमें एयरलाइनों से ज्वालामुखी की राख से प्रभावित क्षेत्रों से बचने और नवीनतम अपडेट के आधार पर उड़ान योजना, मार्ग और ईंधन आवश्यकताओं को समायोजित करने को कहा गया। एयर इंडिया ने राख के प्रभाव के कारण, विशेष रूप से उत्तरी भारत में, कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं और प्रभावित क्षेत्रों से उड़ान भरने वाले विमानों की एहतियाती जाँच शुरू कर दी।

बुरहान वानी की हत्या का बदला लेना चाहता था दिल्ली धमाके वाला उमर नबी?

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली में लाल किले के पास कार ब्लास्ट करने वाला सुसाइड बॉम्बर डॉ. उमर उन नबी 2016 में मारे गए आतंकी बुरहान वानी की मौत का बदला लेना चाहता था। इतना ही नहीं वह आतंक के इस मॉड्यूल में दूसरे सफेदपोश आतंकियों से खुद को अलग कहता था और खुद को अमीर समझता था। वह उन आतंकियों को कहता था कि वह उनका बॉस है और लीडर है। दिल्ली धमाके की जांच कर रही जांच एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक डॉ. नबी अन्य आतंकियों के सामने खुद को प्रिंस जैसा पेश करता था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हरियाणा के फरीदाबाद में पकड़े गए व्हाइट कॉलर मॉड्यूल के कई गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ के दौरान जांच टीम को बहुत सारी जानकारी मिली है। सूत्रों ने बताया है कि यह जाकिर मूसा का उत्तराधिकारी भी बनना चाहता था। फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल में पकड़े गए सभी आतंकी अल-कायदा की विचारधारा से प्रभावित थे, जबकि उमर आईएसआईएस और जैश की विचारधारा से प्रभावित था।

बुरहान मुजफ्फर वानी कश्मीर में हिज़्बुल मुजाहिदीन का कमांडर था। रक्षा बलों ने 8 जुलाई, 2016 को कोकरनाग के बुंडूरा गाँव में एक मुठभेड़ में वानी समेत दो अन्य आतंकवादियों को ढेर कर दिया था। इसके बाद कश्मीर उबल पड़ा था। इस घटना के बाद कश्मीर घाटी में हुई हिंसक झड़पों में 32 लोगों की मौत हो गई थी।

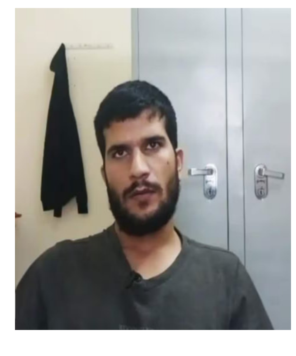

पानी चोरों पर मनपा की कार्रवाई

बाबला कंपाउंड में लाखों की पानी चोरी का भंडाफोड़

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर में लगातार कम दाब और अपर्याप्त पानी सप्लाई की शिकायतों के बीच भिवंडी-निजामपुर शहर महानगर पालिका ने आखिरकार कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। जलापूर्ति विभाग ने बाबला कंपाउंड, अमजदिया रोड पर बड़े पैमाने पर हो रही पानी चोरी का भंडाफोड़ किया, जिसके बाद शहर में हड़कंप मच गया है।

सूत्रों के अनुसार, नारायण कंपाउंड स्थित एक यार्न डाइंग यूनिट में दो इंच की पाइपलाइन डालकर मनपा की 24 घंटे स्टेम लाइन से अवैध रूप से पानी लिया जा रहा था। बिना किसी अनुमति के रोड खोदकर बिछाई गई इस पाइपलाइन के जरिए लंबे समय से पानी चोरी की जा रही थी, जिससे मनपा को लाखों रुपये का नुकसान हो चुका है।

लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त अनमोल सागर ने पानी चोरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के आदेश जारी किए। इसके बाद जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर ने नफीस मोमिन और विराज भोईर के नेतृत्व में 7 सदस्यों की एक विशेष टीम बनाई, जो विभिन्न क्षेत्रों में जलवाहिनी का निरीक्षण कर अवैध कनेक्शन पकड़ने का काम कर रही है।

मनपा अधिकारियों के अनुसार, मुख्य जलवाहिनी और अन्य पाइप लाइनों से हो रही पानी चोरी के कारण कई नागरिक इलाकों में पानी की भारी किल्लत पैदा हो गई थी। अब कार्रवाई शुरू होते ही अवैध कनेक्शन काटे जा रहे हैं, और इस कार्रवाई से पानी चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया है।

जलापूर्ति विभाग प्रमुख संदीप पटनावर ने कहा कि शहर में पानी चोरों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बड़े पैमाने पर जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ स्थानीय पुलिस थानों में फौजदारी के तहत मामले दर्ज किए जाएंगे।

जमीन निवेश के नाम पर 25 लाख की ठगी

दंपती के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी तालुका के दापोड़े गांव में जमीन में निवेश कर भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 25 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में एक दंपती के खिलाफ नारपोली पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।दापोड़े गांव के निवासी और सिविल कॉन्ट्रैक्टर कुलदीप रामचंद्र पालिका ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि डोंबिवली पूर्व में रहने वाले संदीप जनार्दन लोखंडे और उनकी पत्नी शिल्पा संदीप लोखंडे ने उनसे करीबी बढ़ाई और जमीन खरीदने व विकसित कर अच्छा रिटर्न देने का वादा किया था।शिकायत के अनुसार 23 जून 2022 से अब तक संदीप लोखंडे शिकायतकर्ता के वडपाड़ा स्थित घर और दापोड़े के रामचंद निवास पर आते रहे। इसी दौरान उन्होंने नई जमीन खरीदकर विकसित करने और निवेश पर भारी मुनाफा देने का भरोसा दिलाया। आरोप है कि इसी भरोसे में दंपती ने उनसे 25 लाख रुपये नकद लिए, लेकिन न तो निवेश से कोई लाभ मिला और न ही आरोपियों ने रकम वापस की।कई बार मांग करने के बावजूद धनराशि वापस न मिलने पर शिकायतकर्ता ने नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने दंपती के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इस प्रकरण की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक हाले कर रहे हैं।

काल्हेर में दिनदहाड़े पांच लाख की चोरी

इलाके में दहशत का माहौल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी तालुका के काल्हेर गांव में दिनदहाड़े एक बंद फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर रखी 5 लाख रुपये नकद रकम चोरी किए जाने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। घटना के बाद आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। यह घटना पाइप लाइन रोड स्थित एक इमारत में सोमवार सुबह 8 बजे से 10.30 बजे के बीच हुई। फ्लैट मालिक माडेराम खेमाराम धांची निजी काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने मुख्य दरवाजे की कुंडी तोड़ी और घर में रखे लॉकर को निशाना बनाते हुए पांच लाख रुपये कैश लेकर फरार हो गए। पीड़ित जब घर लौटे तो ताला टूटा हुआ था तथा सामान बिखरा पड़ा देखकर उन्होंने तुरंत नारपोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मौके का पंचनामा किया और अज्ञात व्यक्ति पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(3) और 331(4) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले की जांच पुलिस उप-निरीक्षक आकाश पवार कर रहे हैं।

शादियों का सुपर सीजन : होटल, ज्वेलरी फैशन और रिटेल में रिकॉर्ड उछाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में त्योहारों के बाद अब शादी का सीजन ज़ोरों पर है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार, 1 नवंबर से 14 दिसंबर के बीच करीब 46 लाख शादियां होंगी, जिनसे 6.5 लाख करोड़ रुपए की आर्थिक गतिविधि पैदा होने का अनुमान है। इससे ऑटो, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ज्वेलरी और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में जबरदस्त मांग देखने को मिल रही है।

रिटेलर्स और होटल चेन के अनुसार, दिसंबर मध्य तक खपत में रिकॉर्ड उछाल देखने को मिलेगा। साड़ियों, सैलून, आभूषण, परिधान और वेडिंग वेन्यू सभी कैटेगरी में खर्च बढ़ रहा है। यह सीजन वर्ष के अंत से पहले खपत का सबसे बड़ा बूस्टर बन रहा है।

इंडियन सिल्क हाउस एजेंसीज के सीईओ दर्शन दुधोरिया ने बताया, परिधान की मांग उत्तर प्रदेश और मध्य भारत से आ रही है। दिसंबर में पूर्वी बाजारों में तेजी आने की उम्मीद है। फैबइंडिया ने समारोह आधारित स्टाइलिंग की ओर रुझान बताया है। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल और टीसीएनएस ने भी मांग में तेजी बताई है।

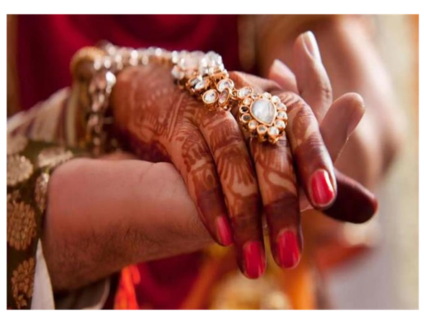

होटलों को हर शादी से एक करोड़ की कमाई डेस्टिनेशन वेडिंग लोकेशन्स पर होटलों में अच्छी बुकिंग हो रही हैं। जिन होटलों में शादियां हो रही हैं वहां प्रति शादियां एक करोड़ का खर्च हो रहा है। लीजर होटल्स ग्रुप को इस सीजन में 18 शादियों से लगभग 15 करोड़ रुपए की कमाई की उम्मीद है। पिछले साल 15 शादियों से 11 करोड़ की कमाई हुई थी।

भिवंडी के जर्जर स्व.राजीव गांधी उड़ान पुल पर घटिया रंगाई का आरोप

ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग तेज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के स्व.राजीव गांधी उड़ान पुल पर बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। लगभग एक किलोमीटर लंबा यह उड़ान पुल पिछले तीन वर्षों से भारी वाहनों के लिए बंद है और इसकी जर्जर स्थिति को लेकर बार-बार सवाल उठते रहे हैं। बावजूद इसके, भिवंडी-निजामपुर शहर महानगर पालिका ने स्वच्छ भारत अभियान-02 के तहत ग्रीन इंडिया प्राइवेट सर्विस लिमिटेड को दो करोड़ रुपये का ठेका देकर पुल पर रंगाई और चार एलडी स्क्रीन लगाने का काम शुरू कराया है।

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता परमेश्वर अंभोरे ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार बिना उचित सफाई के, जमा धूल-मिट्टी पर ही रंगाई कर रहा है। उनका कहना है कि मानकों के विपरीत की जा रही यह पुताई पहली बरसात में ही बह जाएगी। अंभोरे ने इसे कागजों पर खर्च दिखाकर आर्थिक लाभ उठाने की सुनियोजित प्रक्रिया बताया है। उन्होंने पालिका आयुक्त को निवेदन देकर इस काम की स्वतंत्र जांच, ठेका रद्द करने और संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

अंभोरे का आरोप है कि ठेके में ठेकेदार व पालिका के कुछ भ्रष्ट अधिकारी आर्थिक हिस्सेदारी रख रहे हैं, इसलिए जर्जर पुल पर बिना मरम्मत किए केवल रंगाई और एलडी स्क्रीन के नाम पर अनावश्यक खर्च किया जा रहा है। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि पुल पर आंशिक रूप से यातायात चालू होने के बावजूद मजदूर बिना सुरक्षा उपकरणों के काम कर रहे हैं, जिससे उनकी जान को खतरा है। शहर के नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने भी इस कार्य को गंभीर अनियमितता बताते हुए ठेका रद्द करने तथा दोषी अधिकारियों व ठेकेदार पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।इस मामले में आरोग्य व स्वच्छता विभाग के उपायुक्त विक्रम दराडे ने कहा कि ठेकेदार को अच्छी गुणवत्ता वाली रंगाई करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि कार्य में कमी पाई जाती है, तो ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

आशीर्वाद हिंदी हाई स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

भिवंडी। शहर के नागांव-चाविंद्रा स्थित आशीर्वाद हिंदी हाई स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भिवंडी शहर जिला के अध्यक्ष तथा जनकल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष मंगेश यादव, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भिवंडी शहर जिला के उपाध्यक्ष एडवोकेट राकेश पाल और नरेश झा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष मुकेश झा सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत मंगेश यादव द्वारा सरस्वती पूजन के साथ की गई। इसके बाद मशाल प्रज्वलित कर खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मंगेश यादव ने बच्चों को खेलकूद के महत्व के बारे में अवगत कराया और शारीरिक व मानसिक विकास में खेलों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न खेलों में विजयी होने वाले पांच दलों को अपनी ओर से 1100 रुपये पुरस्कार देने की घोषणा भी की।विद्यालय के मुख्याध्यापक दीपक सिंह ने भी बच्चों का मार्गदर्शन किया और सभी प्रतिभागियों को उत्साह के साथ खेल में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के मुख्याध्यापक, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक आकाश पांडे ने किया।

व्हाट्सएप अकाउंट निलंबन पर एससीबीए के पूर्व अध्यक्ष ने दिल्ली हाई कोर्ट में लगाई गुहार, मौलिक अधिकारों का उल्लंघन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता आदिश सी अग्रवाल ने अपने व्हाट्सएप अकाउंट के अचानक और एकतरफा निलंबन को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्लेटफॉर्म की कार्रवाई ने उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है और उनके पेशेवर कामकाज को पंगु बना दिया है। संविधान के अनुच्छेद 226 और 227 के तहत दायर अपनी रिट याचिका में, अग्रवाल ने अपने व्हाट्सएप नंबरों को मनमाने ढंग से निष्क्रिय करने की आलोचना की है और तर्क दिया है कि निलंबन बिना किसी पूर्व सूचना, कारण बताओ नोटिस या उनके व्यक्तिगत और पेशेवर डेटा को पुनः प्राप्त करने का अवसर दिए बिना किया गया था।

याचिका में कहा गया है कि इसमें कानूनी मसौदे, ब्रीफिंग नोट्स, संचार, बार काउंसिल चुनाव सामग्री और गोपनीय मामले से संबंधित दस्तावेज शामिल थे। याचिका में कहा गया है कि निलंबन एक महत्वपूर्ण अवधि के दौरान हुआ जब अग्रवाल बैंकॉक, लंदन, दुबई और अन्य न्यायालयों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में व्यस्त थे, जिससे उनके पेशेवर कर्तव्यों और चल रही चुनाव संबंधी गतिविधियों में निष्पक्ष भागीदारी में गंभीर बाधा उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि व्हाट्सएप की कार्रवाई अनुच्छेद 14, 19(1)(ए), 19(1)(जी) और 21 के तहत उनके अधिकारों का उल्लंघन करती है।

केएस पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए, याचिका में कहा गया है कि व्यक्तिगत संचार तक पहुँच व्यक्ति की गरिमा, स्वायत्तता और निजता का हिस्सा है। याचिका में तर्क दिया गया है कि वर्षों के पेशेवर डेटा तक पहुँच से वंचित करना, उसके पेशे को जारी रखने के अधिकार पर एक अनुचित प्रतिबंध है। अग्रवाल ने यह भी बताया है कि व्हाट्सएप भारत में एक शिकायत अधिकारी की नियुक्ति करने में विफल रहा और कानून के अनुसार शिकायतों की समय पर पावती देने के लिए कोई तंत्र स्थापित नहीं किया। बार-बार ईमेल भेजने और 13 अक्टूबर को उनके प्रतिनिधि द्वारा व्हाट्सएप के गुरुग्राम कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से जाने के बावजूद, कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

विद्यानिकेतन की समस्या को हल करने के लिए सरकार पॉजिटिव है-प्रिंसिपल सेक्रेटरी रणजीत सिंह देओल

मुंबई। स्कूल एजुकेशन डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी रणजीत सिंह देओल ने कहा कि राज्य के सरकारी स्कूलों में टीचर और नॉन-टीचिंग स्टाफ के खाली पदों को भरने और दूसरी समस्याओं को हल करने के लिए सरकार पॉजिटिव है। स्कूल एजुकेशन मिनिस्टर दादाजी भुसे के निर्देश पर सरकारी विद्यानिकेतन स्कूलों की अलग-अलग समस्याओं को हल करने के बारे में प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्री देओल की अध्यक्षता में मिनिस्ट्री में एक मीटिंग हुई। इस मौके पर स्कूल एजुकेशन कमिश्नर सचिंद्र प्रताप सिंह, एग्जामिनेशन काउंसिल के कमिश्नर नंदकुमार बेडसे, जॉइंट सेक्रेटरी मोइन तशीलदार, डिप्टी सेक्रेटरी समीर सावंत, डिप्टी सेक्रेटरी तुषार महाजन, एजुकेशन डायरेक्टर शरद गोसावी, सभी विद्यानिकेतन के प्रिंसिपल, पुराने स्टूडेंट भी मौजूद थे।

ग्रामीण इलाकों के टैलेंटेड स्टूडेंट्स की फिजिकल एजुकेशन, इंटेलेक्चुअल और मेंटल डेवलपमेंट के लिए, साल 1966-67 में उस समय के एजुकेशन मिनिस्टर मधुकरराव चौधरी की पहल पर राज्य में सरकारी विद्यानिकेतन रेजिडेंशियल स्कूल शुरू किए गए थे। अभी ये स्कूल छत्रपति संभाजीनगर, धुले, पुसेगांव (सतारा जिला), अमरावती और केलापुर (यवतमाल जिला) में चल रहे हैं। हर साल इन स्कूलों में स्कॉलरशिप एग्जाम के ज़रिए 40 होनहार स्टूडेंट्स को एडमिशन दिया जाता है। बैठक में रिक्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण पदों की पूर्ति, सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के भोजन भत्ते में नियमित वृद्धि, अलमारी, गद्दे, चादर, बेंच खरीदने के लिए निधि का प्रावधान, स्कूल में प्रवेश के लिए अभिभावकों की आय सीमा में वृद्धि, स्कूल संचालन के लिए परिचय पुस्तिका का अद्यतन करना, शासी निकाय में सुधार एवं नियमित बैठकों का आयोजन जैसे मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा करते हुए प्रधान सचिव ने इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया।

पश्चिम बंगाल में चुनावी रंजिश! शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी पर लगाए पुलिस के दुरुपयोग के आरोप, सीएपीएफ की मांग

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर राज्य में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान टीएमसी सरकार पर तटस्थता सिद्धांत के उल्लंघन और पुलिस के दुरुपयोग का आरोप लगाया। अधिकारी ने शनिवार को आयोजित महिला पुलिस कर्मियों के दूसरे राज्य सम्मेलन में सेवारत पुलिस अधिकारियों और टीएमसी नेताओं की भागीदारी की निंदा की और इसे सत्तारूढ़ पार्टी की राजनीतिक रैली करार दिया। उन्होंने टीएमसी पर चुनावी धांधली का आरोप लगाया और एसआईआर प्रक्रिया को घोटाला बताया।

अधिकारी ने मांग की कि चुनाव आयोग आगामी 2026 के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल पुलिस को प्राथमिक चुनाव कर्तव्यों से प्रतिबंधित करे और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) को तैनात करे। उन्होंने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा कि यह मामला पश्चिम बंगाल पुलिस कल्याण समिति की आड़ में 22 नवंबर, 2025 को पूर्व मेदिनीपुर जिले के दीघा में आयोजित तथाकथित 'महिला पुलिस कर्मियों के दूसरे राज्य सम्मेलन' से संबंधित है। यह कार्यक्रम, जो दिखने में पुलिस कर्मियों के लिए एक कल्याणकारी कार्यक्रम था, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पार्टी द्वारा आयोजित एक बेशर्म राजनीतिक रैली से कम नहीं था, जिसमें

सेवारत पुलिस अधिकारियों और टीएमसी मंत्रियों, विधायकों और नेताओं की सक्रिय भागीदारी थी, जो तटस्थता और निष्पक्षता के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन था।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को, जिसमें कल्याण समितियों के पूरे केंद्रीय नेतृत्व के साथ-साथ उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया था, पक्षपातपूर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए हाईजैक कर लिया गया था। इसके अलावा, भाजपा नेता ने टीएमसी मंत्रियों शिउली साहा और मानस रंजन भुनिया पर केंद्र पर हमला करने का आरोप लगाया और कथित तौर पर राज्य में विपक्ष पर 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जूते चाटने' का आरोप लगाया।

उन्होंने लिखा, 'कार्यक्रम में मौजूद कई टीएमसी मंत्रियों, जिनमें शिउली साहा (राज्य मंत्री, पंचायत और ग्रामीण विकास), मानस रंजन भुनिया (मंत्री, सिंचाई और जलमार्ग और जल संसाधन जांच और विकास) शामिल थे, और अन्य ने मंच का इस्तेमाल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्र सरकार पर अपमानजनक हमले करने के लिए किया। शिउली साहा ने विपक्षी नेताओं पर 'मोदी के जूते चाटने' का मज़ाक उड़ाया, जबकि पुलिस द्वारा टीएमसी सुप्रीमो के अधीनता को केवल वफादारी बताया।

'मानस रंजन भुनिया ने आगे बढ़कर चल रहे एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभ्यास को एक बड़ा घोटाला और केलेंकारी (घोटाला) करार दिया, और केंद्र सरकार द्वारा लाभार्थी सूचियों से बड़े पैमाने पर नाम हटाने का आरोप लगाया।

टी20 विश्व कप 2026 का शेड्यूल जारी, भारत-पाकिस्तान का पहला मैच 15 फरवरी को

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और पाकिस्तान अगले साल 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में आमने-सामने होंगे। टूर्नामेंट के कार्यक्रम के अनुसार, जिसका अनावरण अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) मंगलवार को मुंबई में करेगी। इस साल के एशिया कप के दौरान भारत द्वारा जीते गए तीन गरमागरम मैचों के बाद यह पहली बार होगा जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। इस मैच में मैदान के अंदर और बाहर काफी विवाद भी देखने को मिला था। यह मैच आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा और भारत का तीसरा मैच होगा। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, भारत और पाकिस्तान को अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड के साथ ग्रुप में रखा गया है।

भारत अपने अभियान की शुरुआत टूर्नामेंट के पहले दिन 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ करेगा, जिसके बाद 'मेन इन ब्लू' 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मुकाबले के लिए दिल्ली रवाना होगा। टूर्नामेंट का 2026 संस्करण 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पाकिस्तान अपने सभी मैच कोलंबो या कैंडी में खेलेगा। टूर्नामेंट का प्रारूप अपरिवर्तित है, जिसमें 20 टीमों को चार-चार के समूहों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक में पाँच टीमें होंगी। भारत गत चैंपियन है, जिसने बारबाडोस में 2024 संस्करण के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था।

प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें सुपर आठ चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी, जहाँ टीमों को चार-चार के समूहों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुँचेंगी। यदि भारत सुपर आठ चरण में पहुँचता है, तो उसके तीन सुपर आठ मुकाबले अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता में होंगे। यदि भारत सेमीफाइनल में पहुँचता है, तो उसका सेमीफाइनल मुंबई में होगा। अन्य सेमीफाइनल स्थान कोलंबो या कोलकाता है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि पाकिस्तान या श्रीलंका क्वालीफाई करते हैं या नहीं। फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। लेकिन यदि पाकिस्तान खिताबी मुकाबले में पहुँचता है, तो इसे कोलंबो में स्थानांतरित किए जाने की संभावना है। दो मेजबान देशों भारत और श्रीलंका के अलावा, टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य 18 टीमें हैं: अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त राज्य अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा, इटली, नीदरलैंड, नामीबिया, जिम्बाब्वे, नेपाल, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात।

सुल्तान अजलान शाह कप बेल्जियम के खिलाफ 2-3 से हारा भारत

इपोह **(एजेंसी)**। भारतीय हॉकी टीम ने मंगलवार को मलेशिया के इपोह में सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में बेल्जियम के खिलाफ फाइटिंग परफॉर्मेंस दी, लेकिन 3-2 से हार गई। सुल्तान अजलान शाह स्टेडियम में हुआ यह हॉकी मैच पहले सोमवार को होना था, लेकिन भारी बारिश की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया। भारत के लिए अभिषेक (33') और शिलानंद लाकड़ा (57') ने गोल किए, जबकि पूर्व ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम के लिए रोमन डुवेकोट (17', 57') और निकोलस डी केर्पेल (45') गोल करने वाले खिलाड़ी थे।

सातवें नंबर की टीम भारत ने पक्के इरादे से शुरुआत की, दुनिया की नंबर 3 बेल्जियम को दूर रखा और शुरुआती दबाव का सामना किया। भारतीय गोलकीपर पवन को रीस्टाटर् के दोनों तरफ एक्शन में लाया गया, जिससे उनकी टीम बराबरी पर रही और वे लगातार गेम में आगे बढ़ते रहे। बेल्जियम को मैच शुरू होने के 10 मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर से पहला असली मौका मिला, और जल्द ही उन्होंने दूसरा मौका भी बनाया। हालांकि, भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खड़े होकर यह पक्का किया कि वे पहले क्वार्टर के बाद बराबरी पर रहें।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत फ्रंट फुट पर की और मौके की तलाश में अच्छे पास दिए। हालांकि, बेल्जियम ने खेल के दौरान बढ़त बना ली, और रोमन डुवेकोट के गोल की मदद से पवन की रुकावट को तोड़ दिया। तुरंत जवाब की तलाश में, दिलप्रीत सिंह ने भारत के लिए एक अच्छा मूव पूरा किया लेकिन खतरनाक खेल के कारण गोल रद्द कर दिया गया। भारत के ज़ोर लगाने और जांच करने के बावजूद, बेल्जियम ने हाफ टाइम तक अपनी 1-0 की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हाफ में भारत ने शुरुआत से ही जोरदार शुरुआत की और अभिषेक के शानदार मूव को गोल में बदलकर बराबरी हासिल की।

मोमेंटम के साथ भारतीयों ने दूसरे गोल की तलाश में बेल्जियम पर दबाव बनाया। हालांकि, निकोलस डी केर्पेल (45') ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बेल्जियम को बढ़त वापस दिला दी। उन्होंने जल्द ही अपनी बढ़त बढ़ा ली, चौथे क्वार्टर की शुरुआत में रोमन डुवेकोट ने गोल करके बेल्जियम को कुछ राहत दी। भारत ने एक बार फिर तुरंत जवाब देने की कोशिश की और 10 मिनट से भी कम समय में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करने के करीब पहुंच गया। शिलानंद लाकड़ा ने कुछ देर बाद रबीचंद्र सिंह के शानदार क्रॉस पर गोल करके भारत को उम्मीद की एक किरण दी। जब मैच खत्म होने में 90 सेकंड बाकी थे, मोहित एचएस ने शानदार स्टॉप लगाकर बेल्जियम को चौथा गोल करने से रोक दिया और भारत को रेस में बनाए रखा। हालांकि, इस कड़े मुकाबले में भारत बराबरी का गोल नहीं कर पाया।

ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले टॉम मूडी का ऑस्ट्रेलिया को सुझाव, नाथन लियोन की जगह गाबा को रखे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ब्रिस्बेन में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम चयन को लेकर बड़ी चर्चा छिड़ी हुई है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने अनुभवी ऑफ-स्पिनर नाथन लियोन को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने की सलाह दी है। लियोन ग्लेन मैकग्रा के 563 विकेटों के रिकॉर्ड से केवल एक विकेट दूर हैं, लेकिन मूडी का मानना है कि गाबा की तेज और बाउंसी पिच पर पेस आक्रमण ज्यादा कारगर साबित होगा। इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाजी अंदाज़ और डे-नाइट टेस्ट की परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने टीम संयोजन में बदलाव की जरूरत पर जोर दिया।

टॉम मूडी ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा कि ब्रिस्बेन की पिच स्वभाविक रूप से तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल रहती है और डे-नाइट टेस्ट में पिंक बॉल स्पिनर्स को कम सहायता देती है। पर्थ में पहले टेस्ट के दौरान नाथन लियोन का प्रभाव बेहद सीमित रहा, जबकि तेज गेंदबाजों ने दो दिनों में ही मैच का रुख बदल दिया था।

मूडी ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट में स्पेशलिस्ट स्पिनर को बाहर रखने की जरूरत पड़ेगी, पर डे-नाइट क्रिकेट में स्पिनर को खेल में शामिल करना मुश्किल होता है।' उन्होंने यह भी बताया कि इंग्लैंड की तेज बल्लेबाजी रणनीति स्पिनर को लंबे स्पेल डालने का मौका नहीं देती, ऐसे में पेस-ऑलराउंडर टीम को ज्यादा संतुलन दे सकता है।

मूडी का मानना है कि नाथन लियोन की जगह ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को मौका मिलना चाहिए। वेबस्टर बल्लेबाजी गहराई बढ़ा सकते हैं और मध्यम गति के तेज गेंदबाजी विकल्प भी टीम को दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की 'बाज़बॉल' शैली को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया को ऐसे गेंदबाजों की जरूरत होगी जो लगातार गति और उछाल से बल्लेबाजों को परेशान कर सकें। इस दृष्टि से वेबस्टर टीम को बेहतर 'बैलेंस' दे सकते हैं। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने केवल दो दिनों में इंग्लैंड को मात देकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की थी। ट्रैविस हेड ने 69 गेंदों में आक्रामक शतक जड़ते हुए 205 रन के लक्ष्य को केवल 28.2 ओवर में हासिल करा दिया। उनकी 123 रनों की धुआंधार पारी एशेज इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक साबित हुई और मैच ऑस्ट्रेलिया की मुट्ठी में आ गया।

ब्रिटेन में कितना है टैक्स जो दुबई खींचे जा रहे अरबपति, क्या है इसके पीछे की वजह?

लंदन **(एजेंसी)**। दुनिया के बड़े अमीर अब अपने ठिकाने बदल रहे हैं, और उनका नया पता है - दुबई। इस सूची में एक और बड़ा नाम जुड़ गया है, भारतीय मूल के ब्रिटिश अरबपति लक्ष्मी मित्तल का। मित्तल, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्टील कंपनी आर्सेलर मित्तल के मालिक हैं, ब्रिटेन छोड़कर अब दुबई में बसने की तैयारी में हैं। यह अचानक बदलाव क्यों हो रहा है, इसका सीधा कारण ब्रिटेन में लागू हो रही भारी टैक्स नीति है।

ब्रिटेन की लेबर पार्टी की नई सरकार 'सुपर रिच' लोगों पर वेल्थ टैक्स बढ़ाने की योजना बना रही है। इसका उद्देश्य गिरती अर्थव्यवस्था को संभालना और हाई-नेटवर्थ व्यक्तियों से करीब 20 अरब पाउंड (लगभग 2.3 लाख करोड़ रुपये) जुटाना है। इसके अलावा, सरकार ने कैपिटल गेन टैक्स को भी 10इ से बढ़ाकर 14इ कर दिया है, और इसे 2026 तक 18इ तक बढ़ाने की योजना है। इन बढ़े हुए टैक्सों के अलावा, ब्रिटेन में इनहेरिटेंस टैक्स भी 40इ तक है, जो अमीरों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। इस तरह की नीतियों ने कई बड़े कारोबारियों को ब्रिटेन छोड़ने के लिए मजबूर किया है।

ब्रिटेन छोड़ने का कारण केवल टैक्स ही नहीं है, बल्कि दुबई का आकर्षण भी है। दुबई और अन्य खाड़ी देशों जैसे यूएई, कतर में पर्सनल इनकम पर कोई टैक्स नहीं लगता। ये देश अपनी अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार तेल और गैस के विशाल भंडारों से प्राप्त रेवेन्यू पर निर्भर करते हैं, जिससे उन्हें नागरिकों की सैलरी पर टैक्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। इसके कारण ये देश विदेशी निवेशकों और उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों के लिए आकर्षक बन गए हैं।

स्मृति मंधाना को होने वाले पति पलाश मुच्छल ने दिया धोखा, चैट स्क्रीनशॉट्स वायरल होने के बाद उठे सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय महिला क्रिकेटर और विश्व कप विजेता स्मृति मंधाना तथा फिल्ममेकर और म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छल की शादी मेडिकल इमरजेंसी (मंधाना के पिता की सेहत खराब) के कारण टाल दी गई है। लेकिन इसके एक दिन बाद पलाश सोशल मीडिया पर बड़े विवाद में घिर गए हैं।

कुछ प्राइवेट चैट के कथित स्क्रीनशॉट वायरल होने के बाद उनके निजी जीवन और स्मृति मंधाना के साथ उनकी पोस्टपोन हुई शादी को लेकर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ये स्क्रीनशॉट एक अनजान महिला द्वारा शेयर किए गए, जिसके बाद रेडिट और इंस्टाग्राम पर बहस का दौर बढ़ गया। हालांकि इन स्क्रीनशॉट्स की सत्यता की पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी इस मामले ने पलाश को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है।

पलाश मुच्छल का नाम तब सुर्खियों में आया जब सोशल मीडिया पर एक महिला ने उनके साथ हुई प्राइवेट बातचीत के स्क्रीनशॉट पोस्ट कर दिए। इन स्क्रीनशॉट्स ने तेजी से वायरल होकर यूजर्स के बीच चर्चा का माहौल खड़ा कर दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन चैट्स में कथित तौर पर फ्लर्टिंग जैसी बातें दिखाई दे रही थीं, जिससे अंदाज़ों और आलोचनाओं की बाढ़ आ गई। यह खुलासा उस समय सामने आया जब पलाश और स्मृति मंधाना की शादी को अचानक टाल दिया गया था। इस वजह से मामले में और भी जिज्ञासा और संदेह पैदा हो गया कि दोनों घटनाओं के पीछे कोई संबंध है या नहीं।

सिंगर पलक मुच्छल ने पुष्टि की थी कि शादी, जो 23 नवंबर को सांगली में करीबी लोगों के बीच होनी थी, अब निर्धारित तारीख पर नहीं होगी। शुरू में कारण बताया गया कि स्मृति के पिता अस्पताल में भर्ती हैं। लेकिन बाद में ऐसी खबरें सामने आईं कि पलाश भी किसी मेडिकल इमरजेंसी के कारण अस्पताल में थे। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि दोनों पक्षों के अचानक अस्पताल में भर्ती होने के पीछे वास्तविक परिस्थिति क्या थी। हालांकि परिवार की ओर से विस्तृत बयान नहीं आया है, लेकिन इन घटनाओं ने स्थिति को और पेचीदा बना दिया।

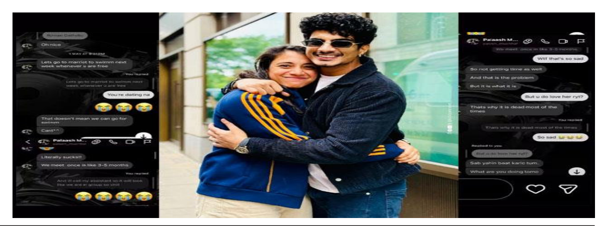

बल्लेबाजी में दम नहीं, धैर्य की कमी : कुंबले ने टीम इंडिया के 201 पर ऑलआउट होने पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अनिल कुंबले ने कहा कि 'भारत का बल्लेबाजी प्रयास काफी खराब था' और गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट की पहली पारी में उनमें लड़ाई और धैर्य की कमी थी। पहली पारी में 489 रन देने के बाद, भारत टेस्ट की दूसरी पारी में सिर्फ 201 रनों पर ऑल आउट हो गया, जिसमें यशस्वी जायसवाल और वाशिंगटन 30 रन का आंकड़ा पार करने वाले एकमात्र बल्लेबाज थे। कोलकाता में श्रृंखला के पहले मैच में हार का सामना करने के बाद, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला को बराबर करने की भारत की संभावनाएं खराब दिख रही हैं, क्योंकि वे मैच में 314 रनों से पीछे हैं।

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर मार्को जानसन ने गेंद से प्रोटियाज के लिए शानदार प्रदर्शन किया। जियोस्टार के शो 'क्रिकेट लाइव' में बोलते हुए, कुंबले ने टेस्ट मैच में भारत की बल्लेबाजी की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें धैर्य, लचीलापन और टेस्ट मैचों में आवश्यक सत्र-दर-सत्र रणनीति का अभाव था। उन्होंने मार्को जेनसन की गेंदबाजी की प्रशंसा की और कहा कि भारत को बाउंसरों सहित चुनौतीपूर्ण स्पेल से निपटने में संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने अपनी पारी को धीरे-धीरे आगे बढ़ाने के बजाय तेज़ी से रन बनाने पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित किया।

जियोस्टार विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत की बल्लेबाजी काफी खराब थी। टेस्ट क्रिकेट में आवश्यक दृढ़ता और धैर्य की कमी थी। हालाँकि कुछ अच्छी गेंदें फेंकी गईं, लेकिन बल्लेबाज़ कठिन स्पेल झेलने या सत्र-दर-सत्र खेलने के लिए तैयार नहीं दिखे।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा लग रहा था कि लक्ष्य तेज़ी से रन बनाना था, जो एक ऐसे टेस्ट मैच में अवास्तविक है जहाँ 489 रन धीरे-धीरे बनाने होते हैं। विपक्षी गेंदबाज़ों और उनके स्पेल का सम्मान करना बेहद ज़रूरी है, लेकिन भारत ने वह लचीलापन नहीं दिखाया। मार्को जेनसन ने बेहतरीन गेंदबाज़ी की और भारत पर लगातार दबाव बनाए रखा। जब उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू किया, जो उनके लंबे कद और बेमेल लंबाई को देखते हुए मुश्किल हो सकता है, तो ऐसा लगा कि भारत न तो गेंद छोड़ने के लिए तैयार है और न ही वार झेलने के लिए। टेस्ट क्रिकेट में चुनौतीपूर्ण स्पेल से बचने के लिए यह तरीका ज़रूरी है, लेकिन दुर्भाग्य से, आज भारत के तरीके में इसकी कमी दिखी।

चालू वित्त वर्ष में 4, 000 अरब डॉलर को पार कर जाएगी भारतीय अर्थव्यवस्था : नागेश्वरन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 4, 000 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। उन्होंने कहा कि भूराजनीति में 'बहुत ज़्यादा उतार-चढ़ाव' के साथ, वैश्विक व्यवस्था में भारत की जगह बनाए रखने के लिए आर्थिक वृद्धि बहुत जरूरी है।

भारत अभी करीब 3, 900 अरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

नागेश्वरन ने मंगलवार को आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स समिट-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च, 2025 के अंत में 3, 900 अरब डॉलर थी और चालू वित्त वर्ष में यह पहले ही 4, 000 अरब डॉलर के आंकड़े को पार करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''इसलिए अर्थव्यवस्था को हरित बनाने के लिए हमें जो कुछ करना है..ऊर्जा बदलाव, पर्यावरण या जलवायु परिवर्तन या जलवायु उतार-चढ़ाव से निपटना, इन्हें हमारी निकट से मध्यम अवधि की प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करना होगा।''

नागेश्वरन ने कहा कि देश ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के .. खासकर कृषि पर्यावरण और तट रेखा पर संभावित नतीजों को लेकर जागरूक है। उन्होंने कहा, ''इसीलिए हम एक देश के रूप में 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

मध्य रेल

ई–प्रापण सूचना

उप.मुख्य सामग्री प्रबंधक यांत्रिक कार्यालय, परेल. ई–प्रापण सूचना क्रमांक ई– 51/2025, दि. 24.11.2025. **टेंडर क्रमांक** (Bid No): Bid GEM/2025/B/6921496 **मदों का विवरण:** इंटेल कोर i3 12100 के साथ ऑल इन वन पर्सनल कंप्यूटर, रैम–16GB DDR4 जिसमें 16GB या उससे अधिक तक मेमोरी बढ़ाने के लिए उपयुक्त स्लॉट का समर्थन है. 500GB SSD (Nvme), स्क्रीन साइज: 21.5 या उससे अधिक. विंडोज 11 प्रोफेशनल या बाद का संस्करण। विस्तृत विवरण संलग्न अनुलग्नक के अनुसार है। निर्माता: HP, DELL, LENOVO, ACER या समान। **मात्रा:** 150 Nos. **निविदा खुलने की नियत तारीख:** 13.12.2025 **आवंटन संख्या:** 20427504/010142101002 **निविदा मूल्य:** रु. 6549000.00 टेंडर्स का पूरा ब्योरा मध्य रेल्वे की अधिकृत वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। सभी दस्तावेज वेबसाइट से डाउन लोड कर सकते है। 689

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

पूर्व मिस यूनिवर्स सेलिना जेटली की 15 साल की शादी में आई दरार पति पर लगाए गंभीर आरोप!

50 करोड़ हर्जाने के साथ मांगा तलाक

पूर्व मिस इंडिया विनर मिस यूनिवर्स रनर-अप और पॉपुलर बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली हाग ने अपने पति पीटर हाग जो ऑस्ट्रिया के नागरिक हैं के खिलाफ डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट के तहत केस किया है। अर्जी में आरोप लगाया गया है कि तीन लड़कों की 47 साल की मां 'उनके हाथों लगातार डोमेस्टिक वायलेंस का शिकार हुई हैं।' सेलिना ने पीटर से 10 लाख रुपये महीने का मेंटेनेंस और 50 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा है।

कोर्ट के अधिकारियों के अनुसार जेटली ने हाग पर घरेलू क्रूरता और इमोशनल परेशानी का आरोप लगाया है और सुरक्षा रहने के अधिकार और फाइनेंशियल राहत की मांग की है। कोर्ट ने मामले को मान लिया है और खबर है कि हाग को एक नोटिस जारी किया गया है जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे अभी विदेश में रह रहे हैं।

हालांकि न तो सेलिना और न ही पीटर ने कोई पब्लिक स्टेटमेंट जारी किया है लेकिन एक्टर के करीबी सूत्रों का कहना है कि कोर्ट जाने का फैसला 'लंबी पर्सनल मुश्किलों' के बाद आया है। आने वाले हफ्तों में इस केस की सुनवाई होने की उम्मीद है और हाग के जवाब से कानूनी कार्रवाई का अगला रास्ता तय होगा।

सेलिना और हाग ने 2010 में शादी की थी जिसे काफी हद तक एक शांत लो-प्रोफ़ाइल सेरेमनी बताया गया था। इस कपल के तीन बच्चे हैं जिनमें जुड़वां लड़के भी शामिल हैं और उन्होंने अपनी ज़िंदगी भारत दुबई और सिंगापुर के बीच बनाई थी। सालों तक दोनों एक स्टेबल फ़ैमिली लाइफ़ बनाए रखते दिखे अक्सर साथ में घूमने और त्योहारों की झलकियाँ पोस्ट करते रहे। इसलिए यह कानूनी झगड़ा उन फ़ैन्स के लिए एक शॉक की तरह है जिन्होंने उनके अच्छे लगने वाले सफ़र को फ़ॉलो किया था।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ई-निविदा सूचना

निविदा नंबर:	बिड नंबर: 2025_MCGM_1251746_1
संस्थान का नाम:	टीबी अस्पताल समूह, शिवड़ी
विषय:	जीटीबी अस्पताल, शिवड़ी में बगीचे के रखरखाव से संबंधित सामान उपलब्ध कराना तथा नई पाइपलाइन लगाने का कार्य।
निविदा शुल्क:	1452 + (18% जीएसटी)
ई-निविदा की अनुमानित लागत	प्रतिशत दर निविदा
बोली सुरक्षा जमा राशि / ईएमडी	8,700.00 (जमानत राशि / EMD)
निविदा जारी करने और बिक्री की तिथि	26.11.2025 सुबह 11:00 बजे से
निविदा बिक्री की अंतिम तिथि व समय तथा बोली सुरक्षा जमा राशि प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय	02.12.2025 शाम 4:00 बजे तक
पैकेट A और B खोलने की तारीख:	04.12.2025 सुबह 11:00 बजे के बाद
संपर्क का पता:	कार्यालय: मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, जीटीबी अस्पताल, जेरबाई वाडिया रोड, शिवड़ी, मुंबई - 400015
बोली खोलने का स्थान:	मेडिकल सुपरिंटेंडेंट के कार्यालय में ऑनलाइन

पीआरओ/2388/विज्ञा./2025-26 — चिकित्सा अधीक्षक जीटीबीएच

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

मध्य रेल

बिजली आपूर्ति प्रणाली में सुधार कार्य

खुली ई–निविदा सूचना क्र. 36/2025 दिनांक: 21.11.2025 भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली ई–निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का विवरण:** मुंबई मंडल के बदलापुर–कर्जत, आसनगांव–कसारा, दक्षिण–पूर्व एवं उत्तर–पूर्व खंड में सुरंग की वैकल्पिक आपूर्ति और पनवेल–रोहा खंड में बिजली आपूर्ति प्रणाली में सुधार कार्य हेतु। **निविदा सूचना क्र. 36/2025 (BB.LG.W.KYN.2025.06) कार्य की औसत लागत:** रु. 2,30,78,753/– **बोली प्रतिभूति:** रु. 2,65,400/– **वैधता:** 60 दिन **समापन अवधि:** 09 माह (समापन) **अनुदेश :–** **1.** उपर्युक्त निविदा की बंद होने की तिथि एवं समय 15.12.2025 को 13.00 बजे और उसी दिन 13.00 बजे बाद खोली जाएगी। **2.** निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि निविदा के विस्तृत विवरण एवं शुद्धीपत्र, यदि कोई हो तो, की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। **3.** निविदाकर्ता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से केवल ऑनलाइन निविदा में भाग ले सकते हैं एवं मेनुअल रूप से निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **4.** आगे की अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) मध्य रेलवे एनेक्स बिल्डिंग पहली मंजिल सी. एस.एम.टी. 400001 से संपर्क कर सकते हैं। **5.** यह निविदा, सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है। 688

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

इंडिया गेट प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर छिड़का पेपर स्प्रे, 17 आरोपियो को 3 दिन की ज्यूडिशल कस्टडी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने इंडिया गेट पर वायु प्रदूषण के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर 'पेपर स्प्रे' का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार 11 महिलाओं समेत 17 आरोपियों को तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने पाँच अन्य आरोपियों को भी दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट अरिदमन सिंह चीमा ने एक व्यक्ति को उसकी उम्र की पुष्टि होने तक पर्यवेक्षण गृह भेज दिया है। प्रदर्शनकारियों की वकील वर्तिका मणि ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि हमें एक मामले में दो दिन और दूसरे मामले में तीन दिन की न्यायिक हिरासत मिली है। हमने खुद हालात देखे हैं। प्रदर्शनकारी घायल थे; लड़कियों के कपड़े फटे हुए थे और प्रदर्शन कर रहे लोगों की हालत बहुत खराब थी।

उन्होंने आगे कहा कि वकीलों को भी उनसे मिलने नहीं दिया गया, जो बिल्कुल गलत है। आप गिरफ्तारी के कारणों का खुलासा नहीं कर रहे हैं और न ही यह स्पष्ट कर रहे हैं कि उन्हें हिरासत में लिया गया था या औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर मिर्ची स्प्रे का इस्तेमाल करने और माओवादी नेता मादवी हिडमा के समर्थन में नारे लगाने के बाद 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। 'हमने उन्हें समझाने की कोशिश की कि आपातकालीन वाहन फंसे हुए हैं और उन्हें स्पष्ट रास्ता चाहिए, लेकिन उन्होंने हटने से इनकार कर दिया। फिर स्थिति हाथापाई में बदल गई और कुछ प्रदर्शनकारियों ने हमारे कर्मियों पर मिर्ची पाउडर फेंक दिया, जो असामान्य और दुर्लभ है।

सर्वाधिक वांछित भाकपा (माओवादी) कमांडरों में से एक हिडमा (51) 18 नवंबर को आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले में एक मुठभेड़ में पांच अन्य लोगों के साथ मारा गया। पुलिस ने बताया कि अब आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिनमें धारा 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुँचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुँचाना), 221 (लोक सेवकों के कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालना) और 223 (लोक सेवक के वैध आदेश की अवज्ञा) शामिल हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले हिंदुओं का दिल जीतने की कोशिश?

ममता कैबिनेट ने सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर के निर्माण को दी मंजूरी

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने एक बड़े प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिससे सिलीगुड़ी के माटीगाड़ा में एक भव्य महाकाल मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ़ हो गया। यह फ़ैसला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा अक्टूबर में उत्तर बंगाल के आपदा प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के दौरान की गई घोषणा के बाद लिया गया है, जहाँ उन्होंने दार्जिलिंग के प्रतिष्ठित महाकाल मंदिर की शैली में मंदिर बनाने का संकल्प लिया था।

कैबिनेट बैठक के बाद, वित्त राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने मीडिया को इस फ़ैसले की जानकारी दी। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार माटीगाड़ा के लक्ष्मी टाउनशिप क्षेत्र में मौजूदा पट्टाधारकों से 25.15 एकड़ ज़मीन अधिग्रहित करेगी। इसमें से 17.41 एकड़ ज़मीन भूमि एवं भूमि सुधार विभाग से पर्यटन विभाग को हस्तांतरित की जाएगी, जबकि

शेष ज़मीन चरणों में सौंपी जाएगी। सरकार की योजना इस पूरे क्षेत्र को आगामी महाकाल मंदिर के आसपास एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की है।

भट्टाचार्य ने कहा कि कैबिनेट का यह फ़ैसला मुख्यमंत्री के वादे को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि उत्तर बंगाल में एक महाकाल मंदिर बनाया जाएगा। उस वादे पर अमल करते हुए, कैबिनेट ने सर्वसम्मति से भूमि हस्तांतरण को मंज़ूरी दे दी। मुख्यमंत्री बनर्जी ने पहले ही खुलासा कर दिया था कि मंदिर परिसर में क्षेत्र की सबसे बड़ी भगवान शिव की मूर्ति स्थापित की जाएगी, जिससे इसकी पर्यटन अपील और बढ़ेगी। यह कदम राज्य सरकार द्वारा की गई अन्य धार्मिक और सांस्कृतिक पहलों के बाद उठाया गया है, जिसमें दीघा में जगन्नाथ मंदिर का निर्माण और न्यू टाउन में 'दुर्गा आंगन' की योजना शामिल है।

मंदिर परियोजना के अलावा, कैबिनेट ने उत्तर बंगाल के डाबग्राम क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेंटर के निर्माण को भी मंज़ूरी दी। यह सुविधा तीस्ता टाउनशिप क्षेत्र में एशियाई राजमार्ग 2 से सटी 10 एकड़ ज़मीन पर बनाई जाएगी। भट्टाचार्य ने बताया कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होने वाले आयोजनों और सम्मेलनों को बढ़ावा देने के लिए लंबे समय से इस तरह के स्थल की मांग की जा रही थी।

पलक्कड़ विधायक राहुल ममकूटथिल पर महिला के आरोप 'वो बच्चे की जिद करता था', नए ऑडियो-चैट से मचा हड़कंप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पलक्कड़ के विधायक राहुल ममकूटाथिल के खिलाफ एक ऑडियो क्लिप और कथित चैट स्क्रीनशॉट ऑनलाइन सामने आने के बाद नए आरोप सामने आए हैं। यह ऑडियो, जिसे राहुल और एक महिला के बीच बातचीत बताया जा रहा है, में महिला गर्भावस्था के पहले महीने के दौरान आई कठिनाइयों के बारे में बात कर रही है, जबकि राहुल उसे अशिष्ट तरीके से अस्पताल जाने के लिए कह रहे हैं। वह महिला राहुल से यह भी कहती है कि वह काफी बदल गया है और उसे याद दिलाती है कि बच्चा वही चाहता था।

एक अन्य स्क्रीनशॉट, जो कथित तौर पर राहुल के संदेशों का है, में एक पंक्ति दिखाई देती है जिसमें लिखा है: 'मैं तुम्हें गर्भवती करना चाहता हूं, मुझे हमारा बच्चा चाहिए।' इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए, राहुल ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों में कुछ भी नया नहीं है। आप पिछले तीन महीनों से यही कह रहे हैं। मेरा भी यही कहना है। आपके निहित स्वार्थों से जुड़ी एक जाँच चल रही है। मैंने पहले ही कहा है कि मैं उस जाँच में सहयोग करूँगा। जाँच को आगे बढ़ने दीजिए। जब यह एक निश्चित चरण पर पहुँचेगी, तो मैं बताऊँगा कि मुझे क्या कहना है।'

जब उनसे सीधे पूछा गया कि क्या वह ऑडियो क्लिप उनकी है, तो राहुल ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। इसके बजाय, उन्होंने मीडिया की आलोचना की कि

उन्होंने बिना उनकी प्रतिक्रिया लिए ही क्लिप प्रकाशित कर दी। उन्होंने कहा, 'क्या आपने इसे प्रकाशित करने से पहले मुझसे पूछा था? काश, पत्रकारों को मुझे फ़ोन करके बताना चाहिए था कि हमें एक ऑडियो मिला है जिसमें दावा किया गया है कि यह आपका है। आपने ऐसा नहीं किया। तो अब मेरी तस्वीर के साथ इसे प्रकाशित करने के बाद मुझसे पूछने का क्या मतलब है?' राहुल, जो पहले युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं, ने पहले कई आरोपों के बाद इस्तीफ़ा दे दिया था। बाद में उन्हें कांग्रेस पार्टी की सदस्यता से निलंबित कर दिया गया था। निलंबन के बावजूद, उन्होंने सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेना जारी रखा और स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए सक्रिय रूप से प्रचार किया।

नेशनल हाईवे पर बड़ा हादसा

6 लोगों की मौत, सड़क पर बिखरी लाशें; चारों तरफ मच गई चीख-पुकार

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के शेखपुरा से भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है, जहां सीएनजी ऑटो और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद आक्रिशोत लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। हादसा इतना भयानक था कि सड़क पर लाशें बिखर गईं। चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, घटना नगर थाना क्षेत्र के एकसारी बीघा और कंबल गढ़ गांव के बीच शेखपुरा-सिकंदरा हाइवे पर घटी है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि ऑटो पर सवार सभी लोग चेवाड़ा की ओर से शेखपुरा आ रहे थे। वहीं ट्रक शेखपुरा से चेवाडा की ओर जा रहा था। तभी दोनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया है। हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतकों में पहचान टुनटुन यादव की पत्नी आशा देवी उर्फ सीमा देवी(56) और उनके बेटे राहुल कुमार के रूप में हुई है। तीसरे मृतक की पहचान धमसेना गांव, थाना करंडे शेखपुरा के रहने वाले राजकुमार साव के रूप में हुई है। अन्य मृतकों की पहचान की जा रही है।

सीजेआई सूर्यकांत का पहला बड़ा निर्णय

ईसाई आर्मी ऑफिसर ने मंदिर में घुसने से किया था इनकार, सुप्रीम कोर्ट ने बर्खास्तगी को सही ठहराया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक ईसाई सैन्य अधिकारी की बर्खास्तगी को बरकरार रखा, जिसने एक मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि सेना एक धर्मनिरपेक्ष संस्था है और इसके अनुशासन से समझौता नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपने अपने सैनिकों की भावनाओं को ठेस पहुँचाई है।' कोर्ट ने अधिकारी सैमुअल कमलेसन पर घोर अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए उन्हें 'सेना के लिए पूरी तरह अनुपयुक्त' बताया। सिख स्क्वाड्रन में तैनात सैमुअल कमलेसन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई को चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि मंदिर में प्रवेश के लिए मजबूर करना उनकी धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि उनका आचरण वैध आदेश की अवज्ञा के बराबर है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें अधिकारी सैमुअल कमलेसन की सेवा समाप्ति को बरकरार रखा गया था। सीजेआई सूर्यकांत ने उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा वह कैसा संदेश दे रहे हैं...उन्हें सिर्फ़ इसी बात के लिए बर्खास्त कर दिया

जाना चाहिए था...एक सैन्य अधिकारी द्वारा घोर अनुशासनहीनता। अधिकारी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत के समक्ष तर्क दिया कि अधिकांश रेजिमेंटल मुख्यालयों में एक सर्व धर्म स्थल होता है। हालाँकि, पंजाब के मम में केवल एक मंदिर और गुरुद्वारा है। शंकरनारायणन ने प्रस्तुत किया इस विशेष रेजिमेंटल सेंटर में, केवल एक मंदिर या गुरुद्वारा है। उन्होंने (अधिकारी ने) मंदिर में प्रवेश करने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि गर्भगृह में प्रवेश करना मेरी आस्था के विरुद्ध है। मैं बाहर से फूल चढ़ाऊँगा, लेकिन अंदर नहीं जाऊँगा। किसी और को कोई समस्या नहीं थी, लेकिन एक वरिष्ठ अधिकारी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी।

पाकिस्तान ने तालिबान को सीधे ललकारा आसमान से अफगानिस्तान पर कर दी भीषण बमबारी

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। पाकिस्तान और तालिबान के बीच एक बार फिर से तनाव चरम पर पहुंच गया क्योंकि पाकिस्तान ने बिना किसी वजह अफगानिस्तान में भीषण हमला कर दिया है। इस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबी उल्ला मुजाहिद के मुताबिक यह हमला आधी रात के करीब गिरबज़े जिले के एक स्थानीय शख्स विलायत खान के घर पर किया गया। यह हमला इतना भीषण था कि पूरा मकान मलबे में बदल गया और भीतर मौजूद पांच लड़के, चार लड़कियां और एक महिला की मौत हो गई। मुजाहिद ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तानी सेना ने सिर्फ खोज नहीं बल्कि कुनर और पक्का प्रांतों में भी हवाई कारवाई की जिसमें चार और नागरिक घायल हुए हैं। जबी उल्ला मुजाहिद ने हमले की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर की हैं। इन तस्वीरों ने अफगानिस्तान के भीतर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता बढ़ा दी है।

पूरे मामले पर पाकिस्तान की सेना और विदेश मंत्रालय ने अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी और यह हमला ऐसे समय में किया गया जब एक दिन पहले ही पाकिस्तान के पेशावर में दो आत्मघाती हमलों में तीन अर्धसैनिक जवान मारे गए थे। उन हमलों के लिए पाकिस्तान ने अफगान सीमा के भीतर छिपे उग्रवादी गुटों को जिम्मेदार ठहराया

था और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। देखा जाए तो इस हमले के बाद एक तरह से पाकिस्तान ने तालिबान को ललकारा है क्योंकि तालिबान ने साफ तौर पर यह बात कही थी कि पाकिस्तान की ओर से एक भी कार्रवाई एक्ट ऑफ वॉर होगी।

पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच तनाव महीनों से जारी है, जिसकी वजह सीमा पार हमले और बढ़ता अविश्वास है। अक्टूबर में पाकिस्तान ने अफ़ग़ान सीमावर्ती क्षेत्रों में हवाई हमले किए, जिसमें तीन अफ़ग़ान क्रिकेटर मारे गए। अफ़ग़ान अधिकारियों ने आरोप लगाया कि पीड़ितों में बच्चों सहित नागरिक भी शामिल थे। बाद में पाकिस्तान ने काबुल में भी हमले किए, जिसके बाद अफ़ग़ानिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की। हालाँकि दोनों पक्षों ने संभावित युद्धविराम पर चर्चा की है, फिर भी पाकिस्तान के अभियान बेरोकटोक जारी हैं। इस बीच, पाकिस्तान को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमलों में वृद्धि का सामना करना पड़ा है। इस्लामाबाद ने बार-बार अफ़ग़ान तालिबान पर टीटीपी आतंकवादियों को पनाह देने और उन्हें अफ़ग़ान धरती से अपनी गतिविधियाँ संचालित करने की अनुमति देने का आरोप लगाया है - इन दावों का काबुल ने दृढ़ता से खंडन किया है और ज़ोर देकर कहा है कि अफ़ग़ानिस्तान का इस्तेमाल किसी अन्य देश को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जा रहा है।

दोनों पड़ोसियों के बीच दुश्मनी कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान के निर्माण के तुरंत बाद, काबुल की स्वतंत्र पश्तूनिस्तान की माँग को लेकर तनाव शुरू हो गया। 1949 में पाकिस्तान ने अफ़ग़ानिस्तान के अंदर कबायली बस्तियों पर बमबारी की, जिससे 1949 और 1950 के बीच कई सीमा संघर्ष हुए और राजनयिक संबंधों में तनाव पैदा हुआ। बाद में संयुक्त राज्य अमेरिका ने हस्तक्षेप किया, जिससे अफ़ग़ानिस्तान को पाकिस्तान और ईरान दोनों के साथ संबंधों को फिर से बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

इथोपिया ज्वालामुखी में विस्फोट डीजीसीए की भारतीय विमानों एडवाइजरी

अदीस अबाबा। इथियोपिया के हैली गुब्बी ज्वालामुखी में करीब 12 हजार साल बाद विस्फोट हुआ है। इस विस्फोट से उठा राख का विशाल गुबार अब उत्तर भारत की ओर बढ़ रहा है। यह ज्वालामुखी इथियोपिया के एर्ता अले पर्वत श्रृंखला में स्थित है। रविवार को हुए विस्फोट के बाद राख का गुबार लाल सागर को पार कर पूर्व की ओर ओमान और यमन की ओर गया। इसे लेकर स्पाइसजेट और अकासा एयरलाइंस ने अलर्ट जारी किया है। जबकि, कोच्चि से जेद्दा और दुबई जाने वाली उड़ानें सावधानी के तौर पर रद्द की गई हैं। रद्द की गई उड़ानों में इंडिगो की सेवा 6ई1475 (कोच्चि दुबई) और अकासा एयर की उड़ान क्यूपी 550 (कोच्चि जेद्दा) शामिल हैं। एयरपोर्ट प्राधिकरण का कहना है कि हालात सामान्य होने पर उड़ान संचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

एक भारतीय एयरलाइन के विमान को अबू धाबी में दे उतारकर उसके इंजनों की गहन जांच की गई है।

कोच्चि हवाईअड्डे से जेद्दा और दुबई जाने वाली दो उड़ानों को रद्द किया गया है। एयरलाइंस ने कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा दिशानिर्देशों के मुताबिक रूट बदल रही हैं। अकासा एयर ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और स्थिति का लगातार मूल्यांकन जारी है। मौसम एजेंसी इंडियामैट स्काई वेदर के अनुसार, राख की धुंध 100-120 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर पूर्व की तरफ जा रही है।

'एंकल मॉनिटर' तोड़ने पर फंसे बोल्सोनारो ब्राजील सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई सख्त

राष्ट्रपति की जेल की सजा बरकरार रहेगी!

ब्रासीलिया **(एजेंसी)**। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो द्वारा नजरबंदी के दौरान अपने 'एंकल मॉनिटर' को तोड़ने की कोशिश करने की बात स्वीकार करने के बाद उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उनकी कैद को बरकरार रखा। 'एंकल मॉनिटर' टखने पर लगाए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होते हैं जिनका उपयोग अदालतों द्वारा निगरानी के लिए किया जाता है, ताकि किसी व्यक्ति के स्थान और गतिविधियों पर नज़र रखी जा सके। इन्हें अक्सर कारावास (जेल भेजने) के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

न्यायाधीश ने बोल्सोनारो के इस कृत्य को तख्तापलट की कोशिश के जुर्म में मिली 27 साल की सजा से बचने और भागने की कोशिश माना। बोल्सोनारो (70) को शनिवार तड़के गिरफ्तार कर राजधानी ब्रासीलिया स्थित देश के संघीय पुलिस मुख्यालय की एक कोठरी में रखा गया है। न्यायालय के चार सदस्यीय पैनल ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि बोल्सोनारो को गिरफ्तारी में ही रहना चाहिए। शनिवार को गिरफ्तारी वारंट जारी करने वाले न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने माना कि बोल्सोनारो भाग सकते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति 2022 के चुनाव में लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से हारने के बाद पद पर बने रहने के लिए तख्तापलट की कोशिश करने के मामले में 27 साल की जेल की सजा काटेंगे। डी मोरेस के फैसले को अदालत के एक ऑनलाइन सत्र में उनके साथी न्यायाधीशों फ्लेवियो डिनो, क्रिस्टियानो जानिन और कारमेन लूसिया ने मंजूरी दे दी। बोल्सोनारो ने रविवार को एक सहायक न्यायाधीश को बताया था कि दवा में बदलाव के कारण उन्हें बेचैनी और घबराहट होने लगी, जिसके कारण उन्होंने अपने 'एंकल मॉनिटर' को तोड़ने की कोशिश की।

रूस का भारत को एसयू-75 लड़ाकू विमान का बड़ा ऑफर, मिलेगा पूरा ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी

मॉस्को **(एजेंसी)**। रूस ने अपने अत्याधुनिक पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट एसयू-75 'चेकमेट' पर भारत को एक बड़ा ऑफर दिया है। दुबई एयर शो 2025 में सुखोई डिजाइन ब्यूरो ने जानकारी दी कि इस विमान की पहली उड़ान 2026 की शुरुआत में हो सकती है। रूस ने भारत को फुल ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी, इंजन कस्टमाइजेशन और एक्सक्लूसिव एक्सपोर्ट राइट्स का पैकेज ऑफर किया है, जिससे भारत इस विमान को घरेलू स्तर पर बना और बेच सकेगा। इस खास ऑफर के तहत, रूस भारत को एसयू-75 की पूरी तकनीक देने के लिए तैयार है। इसके अलावा, भारत विमान के इंजन को अपनी जरूरतों के हिसाब से कस्टमाइज भी कर सकेगा और उसे अन्य देशों को बेचने का अधिकार भी मिलेगा। हाल ही में, रूस ने दुबई एयर शो 2025 में अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर विमान एसयू-75 चेकमेट के एक्सपोर्ट वर्जन का अनावरण किया। सुखोई द्वारा विकसित यह आधुनिक स्टेल्थ फाइटर विमान आने वाले समय में रूस के रक्षा निर्यात कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। विमान अपनी कम रडार पहचान क्षमता, सुपरसोनिक स्पीड और उन्नत स्टेल्थ डिजाइन के लिए जाना जाता है। रूस ने बताया है कि एसयू-75 जल्द ही ग्राउंड और स्टैंड ट्रायल्स शुरू करेगा, जिसके बाद इसकी पहली उड़ान की तैयारी की जाएगी। रूस का दावा है कि एसयू-75 अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए एक हल्का, किफायती और हाई-टेक स्टेल्थ फाइटर है, जिसे भविष्य की हवाई लड़ाई की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। रूस के इस नए फाइटर जेट की कीमत 5060 मिलियन डॉलर प्रति विमान है। यह विमान एक बार की ईंधन में 3, 000 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है और इसकी अधिकतम रफ्तार माक 1.82 है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)